रजिस्ट्री संख्या डी. एल.—33001/93 REGISTERED NO. DL-33001/93

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 5] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 29, 1994/माघ 9, 1915
No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 29, 1994/MAGHA 9, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than Ministry of the Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(न्यायिक अनुभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1993

का. आ. 312.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री पी. आर. अग्रवाल, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जिला एवं शहर अहमदाबाद (गुजरात) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(143)/93—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 24th December, 1993

S.O. 312.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri P. R. Agarwal, Advocate for appointment as a Notary to practise in District and City Ahmedabad (Gujarat).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

P. C. KANNAN, Competent Authority

[No. F. 5(143)/93-Judl.]

सूचना

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1994

का. आ. 313.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री नायूलामति वैंकटारामन, एडवोकेट के उक्त

प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सिकन्दराबाद एवं हैदराबाद (आंध्र प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए ।

[सं. 5(10)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 6th January, 1994

S.O. 313.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Nuthalapati Venkata Ramana, Advocate for appointment as a Notary practise in Secunderabad-Hyderabad (Andhra Pradesh).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(10)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1994

का. आ. 314 .—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री गौरी शंकर कौशल, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जिला दतिया (मध्य प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए ।

[सं. 5(11)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 6th January, 1994

S.O. 314.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Gauri Shankar Kaushal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Datia District (Madhya Pradesh).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(11)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1994

का. आ. 315 .—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री एम. एस. नागराजू, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे टुमकुर (कर्नाटक) में, व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए ।

[सं. 5(12)/94—न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 6th January, 1994

S.O. 315.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri M. S. Nagaraju, Advocate for appointment as a Notary to practise in Tumkur (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(12)/94-Judl.]
P. C. KANNAN, Competent Authority

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1994

का. आ. 316 .—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मणिपुर राज्य सरकार की सहमति से जो गृह विभाग आदेश सं. 2/8(52)/89 एच तारीख 12-11-93 द्वारा दी गई थी, इम्फाल थाने में रजिस्ट्रीकृत अपराध सं. 227(5)/93 से उद्भूत भारतीय दंड संहिता, 1860 (1860 का 45) की धारा 326, 307 और 302 और आयुध अधिनियम की धारा 25 (1-ख) के अधीन दंडनीय अपराधों और उपरोक्त वर्णित एक या अधिक अपराधों तथा उन्हीं तथ्यों से उद्भूत होने वाले संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किन्हीं अन्य अपराध या अपराधों के संबंध में या उनसे संसक्त प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षड्यंत्रों के अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार संपूर्ण मणिपुर राज्य पर करती है ।

[संख्या 228/85/93—ए. वी. डी. (II)]

पराग प्रकाश, उप सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

ORDER

New Delhi, the 7th January, 1994

S.O. 316.—In exercise of the powers conferred by sub-sectoin (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Manipur vide Home Department Orders No. 2/8(52)89-H dated 12-11-1993 hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Manipur for investigation of the offences punishable under Sections 326 307 and 302 of Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860) and section 25(1-B) of the Arms Act arising out of Crime No. 227 (5)/93 registered with Imphal Police Station and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with one or more of the offences mentioned above and any other offence or oaence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/85/93-AVD.II]

PARAG PRAKASH, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1994

का. आ. 317 .—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कर्नाटक राज्य सरकार की सहमति से, जो कर्नाटक सरकार अधिसूचना सं एच. डी. 50 पी. सी. आर. 93 तारीख 22-4-1993 और अपराध सं. 19/93 और 20/93 को हटाते हुए पुनरीक्षित शुद्धिपत्र सं. एच. डी. 50 पी. सी. आर. 93 तारीख 26-6-1993 द्वारा दी गई थी, नानजनडुड ग्रामीण पुलिस थाना मैसूर जिला, कर्नाटक राज्य में रजिस्ट्रीकृत अपराध सं. 51/93 और 52/93 के मामलों के संबंध में भारतीय दंड संहिता 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 149 के साथ पठित धारा 143, 147, 148, 149, 302 के अधीन दंडनीय अपराधों और उक्त अपराधों और उन्हीं तथ्यों से उद्भूत उसी संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किन्हीं अन्य अपराधों के संबंध में या उनसे संसक्त प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षड्यन्त्रों के अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार संपूर्ण कर्नाटक राज्य पर करती है ।

[संख्या 228/58/93-ए. वी. डी.-II]

आर. एस. विष्ट, अवर सचिव

New Delhi, the 11th January, 1994

S.O. 317.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Karnataka as conveyed vide Karnataka Government Notification No. HD 50 PCR 93 dated 22-4-1993 and revised Corrigendum No. HD 50 PCR 93 dated 26-6-1993 deleting the Crime Nos. 19/93 and 20/93 hereby extends the powers and jurisdiction of members of the Delhi Special Police Establishment in the whole of the State of Karnataka for the investigation of offences punishable under Sections 143, 147, 148, 149, 302 read with 149 Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts in regard to cases in Crime No. 51/93 and 52/93 registered in Nanjandud Rural Police Station, Mysore District, Karnataka State.

[No. 228/58/93-AVD. II]

R. S. BISHT, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1994

का. आ. 318 .—केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री जी. सी. चटर्जी, अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, राजस्थान को दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन द्वारा संस्थित मामलों से उद्भूत होने वाली अपीलों, पुनरीक्षणों और अन्य मामलों के संचालन के प्रयोजन के लिए, राजस्थान स्थित जयपुर उच्च न्यायालय में विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है ।

[संख्या—225/17/92-ए. वी. डी.-II]

आर. एस. विष्ट, अवर सचिव

New Delhi, the 11th January, 1994

S.O. 318.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri G. C. Chatterjee, Advocate, Jaipur as Special Public Prosecutor in the High Court of Rajasthan at Jaipur for the purpose of conducting appeals, revisions and other matters arising out of cases instituted by the Delhi Special Police Establishment

[No. 225/17/92-AVD.II]

R. S. BISHT, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का.आ. 319 .—केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा आतंकवादी और विध्वंसक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1987 (1987 का 28) की धारा 13 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित मामलों के अभियोजन के संचालन के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली के सर्वश्री एस. एन. तिवारी, अपर-विधि सलाहकार और सी.एस. शर्मा, वरिष्ठ लोक अभियोजक को विशेष लोक लोक अभियोजक नियुक्त करती है :—

1. आर. सी. 11(एस)/93—एस.आई.यू. 5/एस.आई.सी-2 सी.बी.आई., नई दिल्ली (थाना प्रीत विहार, दिल्ली की एफ. आई. आर. सं. 140, दि. 23-7-1993)

2. आर.सी. 12(एस)/93—एस.आई.यू. 5/एस.आई.सी-2/सी. बी. आई., नई दिल्ली (थाना प्रीत विहार, दिल्ली की एफ. आई.आर. सं. 141, दि. 23-7-93)

3. आर.सी. 13 (एस)/93–एस.आई.यू.-5/एस.आई.सी.-2/सी.बी.आई., नई दिल्ली (थाना प्रीत विहार, दिल्ली को एफ. आई. आर. सं० 142, दि. 23-7-93)

4. आर.सी. 14(एस)/93–एस.आई.यू.-5/एस.आई.सी.-2/सी.बी.आई., नई दिल्ली (थाना प्रीतविहार, दिल्ली को एफ. आई. आर. सं. 143, दि. 23-7-93)

5. आर.सी. 15(एस)/93-एस.आई.यू.-5/एस.आई.सी.-2/के. अ. ब्यूरो, नई दिल्ली (थाना प्रीत विहार, दिल्ली की एफ.आई.आर. स. 144, दिनांक 23-7-93)

तथा उक्त अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत घटित दिल्ली, नई दिल्ली तथा शाहदरा स्थित अभिहित न्यायालय में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के विशेष कार्य बल द्वारा संस्थित तथा उक्त अधिनियम के अंतर्गत उत्पन्न होने वाले अन्य अन्वेषित मामले/विषय।

[सं. 225/46/93–एवीडी-II]

आर. एस. बिष्ट, अवर सचिव

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 319.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Secton 13 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987 (28 of 1987), the Central Government hereby appoints S/Shri S. N. Tiwari, Additional Legal Adviser and C. S. Sharma, Senior Public Prosecutor of Central Bureau of Investigation, New Delhi as Special Public Prosecutors for conducting prosecution of the following cases :—

(i) RC 11(S)93-SIU. V/SIC.II/CBI New Delhi (F.I.R. No. 140 dt. 23-7-1993 of Police Station Preet Vihar, Delhi).

(ii) RC. 12(S)/93-SIU. V/SIC.II/CBI/New Delhi. (F.I.R. No. 141 dt. 23-7-1993 Police Station Preet Vihar, Delhi).

(iii) RC. 13(S)/93-SIU. V/SIC.II/CBI New Delhi (F.I.R. No. 142, dt. 23-7-1993 Police Station Preet Vihar, Delhi).

(iv) RC. 14(S)/93-SIU. V/SIC. II/CBI New Delhi (F.I.R. No. 143, dt. 23-7-1993. Police Station Preet Vihar, Delhi),

(v) RC.15(S)/93-SIU. V/SIC. II/CBI New Delhi (F.I.R. No. 144 dt. 23-7-1993 Police Station Preet Vihar, Delhi).

And other cases/matters arising out the said Act investigated and instituted by the SPECIAL TASK FORCE of Delhi Special Police Establishment in the Designated Court at Delhi, New Delhi and Sahadra constituted under Section 9 of the said Act

[No. 225/46/93-AVD.II]

R. S. BISHT, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1994

का.आ. 320.—केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री ई.वी. भागीरथा राव, अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, हैदराबाद को, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन द्वारा संस्थित मामलों से उद्भूत होने वाली अपीलों, पुनरीक्षणों और अन्य मामलों के संचालन के प्रयोजन के लिए हैदराबाद स्थित आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[संख्या 225/33/93-ए.वी.डी.-II]

आर. एस. बिष्ट, अवर सचिव

New Delhi, the 14th January, 1994

S.O. 320.—In exercise of the powers conferred by sub-Section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri E. V. Bhagiratha Rao, Advocate, High Court, Hyderabad as Special Public Prosecutor in the High Court of Andhra Pradesh at Hyderabad for the purpose of conducting appeals, revisions and other matters arising out of cases instituted by the Delhi Special Police Establishment.

[No. 225/33/93-AVD.II]

R. S. BISHT, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1993

स्टाम्प

का.आ. 321.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (i) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उस स्टाम्प शुल्क को माफ करती है जो पावर फाइनेंस कारपोरेशन लि. द्वारा जारी किए जाने वाले मात्र तीन सौ पचास करोड़ रुपयों के मूल्य के 9% (कर-मुक्त) सुरक्षित विमोच्य पी.एफ.सी. बंधपत्र (पांचवी श्रंखला) के रूप में वर्णित ऋणपत्रों के स्वरूप वाले बंधपत्रों उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्रभार्य है।

[सं. 31/93/स्टाम्प-फा. सं. 33/71/90–बि.क.]

आत्मा राम, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 17th November, 1993

STAMPS

S.O. 321.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as 9 per cent (Tax Free) Secured Redeemable PFC Bonds (Fifth Series) of the value of rupees three hundred and fifty crores only to be issued by Power Finance Corporation Limited are chargeable under the said Act.

[No 31/93-Stamps-F. No 33/71/90-ST]

ATMA RAM, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1994

का.आ. 322.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा, घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबंध यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, कलकत्ता पर, 8 जून, 1995 तक की अवधि के लिए उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध मैसर्स लुज इलैक्ट्रिकल्स प्रा. लिमिटेड में गिरवीदार के रूप में उसकी शेयरधारिता से है।

[संख्या 15/9/87—बी. ओ. III]

के. के. मंगल, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 10th January, 1994

S.O. 322.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of Section 19 of the said Act shall not apply to the United Bank of India, Calcutta for a period upto 8th June, 1995 insofar as they relate to its holding of shares in M/s. Luz Electricals Pvt. Ltd. as pledgee.

[No. 15/9/87-B.O.III]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का०आ० 323 :—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) के दिनांक 30 मई, 1981 को भारत के राजपत्र के भाग II के खण्ड 3 के उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 15 मई, 1981 की अधिसूचना संख्या का.आ. 1604 का अधिक्रमण करते हुए, परन्तु ऐसे अधिक्रमण से पहले किए गए कार्यों और करने के लिए छोड़े गए कार्यों को छोड़कर, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा निम्नलिखित सारणी के कालम (1) में उल्लिखित उन अधिकारियों को नियुक्त करती है, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के स्तर के समकक्ष अधिकारी होंगे और उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारी (एस्टेट आफिसर) होंगे और जो उक्त अधिनियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा उसके अधीन उक्त सारणी के कालम (2) में क्रमानुसार उल्लिखित सरकारी स्थानों के संबंध में अपने अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के अन्तर्गत सम्पदा अधिकारी को सौंपे गए कर्तव्यों को पूरा करेंगे :—

सारणी

अधिकारी का पद	सरकारी स्थानों की श्रेणियां और अधिकार क्षेत्र की सीमा
1. सहायक महाप्रबंधक, स्टेट बैंक आफ पटियाला, प्रधान कार्यालय, दि माल, पटियाला।	1. स्टेट बैंक आफ पटियाला की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या उसके द्वारा मांगा गया पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू व कश्मीर और संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ में अवस्थित स्थान।
2. सहायक महाप्रबंधक स्टेट बैंक आफ पटियाला, अंचल कार्यालय, दिल्ली।	2. स्टेट बैंक आफ पटियाला की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या उसके द्वारा मांगा गया पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू व कश्मीर और संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ को छोड़कर किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र में अवस्थित स्थान।

[संख्या 15/1/92-बी.ओ-III]

के. के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 12th January, 1994

S. O. 323 :—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (49 of 1971), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), No. S.O. 1604 dated the 15th May, 1981 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 30th May, 1981, except as respects of things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being officers equivalent to the rank of a Gazetted Officer of the Government, to be Estate Officers for the purposes of the said Act, who

shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the Estate Officers by or under the said Act, within the local limits of their respective jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entries in column (2) of the said Table—

TABLE

Sl. No.	Designation of the officer	Categories of Public Premises and Local limits of jurisdiction
	(1)	(2)
1.	Asstt. General Manager (Law), State Bank of Patiala, Head Office, The Mall, Patiala.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of State Bank of Patiala in the states of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir and Union Territory of Chandigarh.
2.	Asstt. General Manager, State Bank of Patiala, Zonal Office, Delhi.	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of State Bank of Patiala at any place in states and Union Territories other than in the States of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir, and in the Union Territory of Chandigarh.

[No. 15/1/92—B.O. III]

K.K. MANGAL, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1994

का.आ. 324.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 तारीख 20-12-1965 से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-I) का मद्रास में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मोहन मेंशन, 149, गोविन्दाप्पा नाईकन स्ट्रीट, मद्रास-600001 पर स्थित मैसर्स इटालेब प्रा. लिमिटेड को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्न शर्तों के अधीन एतद्द्वारा मान्यता देती है, एतद् :—

(i) मैसर्स इटालेब प्रा. लिमिटेड निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को अपने द्वारा अपनाई गई निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा ताकि खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-I) के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अन्तर्गत निरीक्षण प्रमाणपत्र दिया जा सके।

(ii) मैसर्स इटालेब प्रा. लिमिटेड इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में ऐसे निदेशों द्वारा आबद्ध होगा जो निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे।

[फाइल सं. 5/14/93-ई आई एंड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 10th January, 1994

S.O 324.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Italab Pvt. Ltd., located at Mohan Mansion 149, Govindappa Naicken Street, Madras-600 001, as an agency for the inspection of Minerals and Ores (Group-I) specified in Schedule annexed to Ministry of Commerce Notification No. S.O. 3975 dated 20-12-1965 prior to export at Madras subject to the following conditions, namley :—

(i) that M/s. Italab Pvt. Ltd. shall give adequate facilities to the Officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of Export of Minerals and Ores (Group I) (Inspection) Rules, 1965;

(ii) trat M/s. Italab Pvt. Ltd., in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection & Quality Control) may give in writing from time to time.

[F. No. 5/14/93 EI&EP]

Kum. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1994

का.आ. 325.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3978 तारीख 20-12-1965 से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-II) का मद्रास में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मोहन मैनशन, 149, गोविन्दाप्पा, नाईकन स्ट्रीट, मद्रास-600001 पर स्थित मै. इटालेब प्रा. लिमिटेड, को इस अधिसूचना के सूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्न शर्तों के अधीन एतद्द्वारा मान्यता देती है, अर्थात् :—

(i) मैसर्स इटालेब प्रा. लिमिटेड निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को अपने द्वारा अपनाई गई निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा ताकि खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-II) के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अन्तर्गत निरीक्षण प्रमाण-पत्र दिया जा सके।

(ii) मैसर्स इटालेब प्रा. लिमिटेड, इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में ऐसे निदेशों द्वारा आबद्ध होगा जो निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे।

[फाइल सं. 5/14/93-ई आई एंड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

New Delhi, the 10th January, 1994

S.O. 325.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Italab Pvt. Ltd., located at Mohan Mansion 149, Govindappa Naicken Street, Madras-600 001, as an agency for the inspection of Minerals and Ores (Group-II) specified in Schedule annexed to Ministry of Commerce Notification No S.O. 3978 dated 20-12-1965 prior to export at Madras, subject to the following condition namely :—

(i) that M/s. Italab Pvt. Ltd., shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of Export of Minerals and Ores (Group-II) (Inspection) Rules, 1965;

(ii) that M/s. Italab Pvt. Ltd., in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection & Quality Control) may give in writing from time to time.

[F. No. 5/14/93 EI&EP]

Kum. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1994

का. आ. 326.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना के उपाबंध में यथाविनिर्दिष्ट नाशक जीवमार और उनकी विनिर्मितियों के संबंध में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा विनिर्दिष्ट मानक चिन्ह को यह संकेत देने के प्रयोजनार्थ मान्यता देने का प्रस्ताव करती है कि जहां ऐसे कार्टनों या पैकेजों पर जिनमें उक्त नाशक जीवमार या उनकी विनिर्मितियों अन्तर्विष्ट है। चिपकाए गए या लगाए गए ऐसे चिन्ह के उक्त अधिनियम की धारा 6 के अधीन उन्हें लागू मानक विनिर्दिष्ट के अनुरूप समझे जाएंगे।

और केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्ताव को निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1964 के नियम II के उप नियम (2) की यथा अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त उपनियम के अनुसरण में उक्त प्रस्तावों को ऐसे लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों की बाबत कोई व्यक्ति आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है तो वह ऐसे आक्षेप या सुझाव इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर भारतीय निर्यात निरीक्षण परिषद्, प्रगति टावर (11 वां तल) 26, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

उपाबंध II

नाशक जीवमार तथा उसकी विनिर्मितियों के लिए विनिर्देश

क्रम सं.	नाशक जीवमार तथा उसकी विनिर्मितियों के नाम	भारतीय मानक संस्थान द्वारा जारी किए गए सुसंगत विनिर्देश
1	2	3
1.	बी एच सी तकनीकी तथा परिष्कृत	भा. मा. 560—1980
2.	बी एच सी (एच सी एच) धूलन चूर्ण	भा. मा. 561—1978
3.	बी एच सी (एच सी एच) जल परिक्षेपणीय सांद्र	भा. मा. 562—1978
4.	डी डी टी तकनीकी	भा. मा. 563—1973
5.	डी डी टी धूलन चूर्ण	भा. मा. 564—1981
6.	डी डी टी जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र	भा. मा. 565—1984
7.	मच्छर डिम्भनाशी तेल	भा. मा 588—1978
8.	गामा—बी एच सी (लिण्डेन) पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 632—1978
9.	डी डी टी पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 633—1985
10.	गामा—बी एच सी (लिण्डेन)	भा. मा. 882—1984
11.	एथिलीन डायक्लोराईड कार्बन टेटराक्लोराईड मिश्रण	भा. मा. 634—1965
12.	चूना गंधक घोल	भा. मा. 1050—1984
13.	पायरेथ्रम निष्कर्ष	भा. मा. 1051—1980
14.	निकोटिन सल्फेट घोल	भा. मा. 1035—1986
15.	जिंक फास्फाइड, तकनीकी	भा. मा. 1251—1984
16.	एल्ड्रीन, तकनीकी	भा. मा. 1306—1974
17.	एल्ड्रीन पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 1307—1982
18.	एल्ड्रीन धूलन चूर्ण	भा. मा. 1308—1984
19.	एल्ड्रीन, तकनीकी	भा. मा. 1309—1974
20.	एथिलीन डाब्रोमाइड	भा. मा. 1311—1966
21.	मथिल ब्रोमाइड	भा. मा. 1312—1980
22.	कौपर आक्सीक्लोराइड, तकनीकी	भा. मा. 1486—1978
23.	गामा—बी एच सी (लिण्डेन) धूम्रां जनित्र	भा. मा. 1506—1977
24.	कौपर आक्सीक्लोराइड धूलन चूर्ण	भा. मा. 1506—1977
25.	कौपर ओक्सीक्लोराइड जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र	भा. मा. 1507—1977
26.	क्यूपरस आक्सीइडजल परिक्षेपेणीय चूर्ण सांद्र	भा. मा. 1655—1977
27.	क्यूपरस आक्साइड धूलन चूर्ण	भा. मा. 1669—1960
27.	क्यूपरस ऑक्साइड, तकनीकी (फफुंदनाशी श्रेणी)	भा. मा. 1682—1973
29.	कीटनाशी स्थानिक छिड़काव	भा. मा. 1824—1978
30.	मैलेथियन तकनीकी	भा. मा. 1832—1978
31.	डायजीनोन, तकनीकी	भा. मा. 1833—1980
32.	फिनाइल मर्करी एसीटेड, तकनीकी	भा. मा. 2126—1973
33.	स्थायी मैथाक्सी एथिल मर्करी क्लोराइड सांद्र	भा. मा. 2127—1984
34.	पैराथिन एथिल, तकनीकी	भा. मा. 2128—1978

1	2	3
35.	फैनिल मर्करी क्लोराइड तकनीकी	भा. मा. 2353—1963
36.	स्थायी मैथोक्सी एथिल मर्करी क्लोराइड सांद्र आधारित विनिर्मितियां	भा. मा. 2358—1963
37.	एथिल मर्करी क्लोराइड, तकनीकी	भा. मा. 2354—1963
38.	मैलेथियन पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 2567—1978
39.	मैलेथियन घूलन चूर्ण	भा. मा. 2568—1978
40.	मैलेथियन जल परिक्षेपणीय चूर्ण	भा. मा. 2569—1978
41.	मैथिल पैराथियन, तकनीकी	भा. मा. 2570—1980
42.	क्लोरडेन पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 2682—1984
43.	डायजिनान पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 2862—1980
44.	डायजिनान जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र	भा. मा. 2862—1984
45.	क्लोरडेन, तकनीकी	भा. मा. 2863—1968
46.	क्लोरडेन, घूलन चूर्ण	भा. मा. 2864—1984
47.	मिथाइल पैराथियन पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 2865—1978
48.	ओरगेनोमरक्यूरियल ड्राई सीड ड्रेसिंग विनिर्मितियां	भा. मा. 3284—1984
49.	फलेदनीय गंधक चूर्ण	भा. मा. 3383—1982
50.	जिनेब तकनीकी	भा. मा. 3898—1981
51.	जिनेब जल परिक्षेपणीय चूर्ण	भा. मा. 3899—1981
52.	जिरम, तकनीकी	भा. मा. 3900—1975
53.	जिरम जल परिक्षेपणीय चूर्ण	भा. मा. 3901—1975
54.	डायमिथोएट तकनीकी	भा. मा. 3902—1975
55.	डायमिथोएट पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 3903—1984
56.	थियोमेटो सांद्र	भा. मा. 3904—1984
57.	थियोमेटोन पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 3905—1966
58.	थाइरम तकनीकी	भा. मा. 4320—1982
59.	एंडोसल्फन घूलन चूर्ण	भा. मा. 4322—1967
60.	एंडोसल्फन पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 4323—1980
61.	एंडोसल्फन जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र	भा. मा. 4324—1967
62.	एंडोसल्फन, तकनीकी	भा. मा. 4344—1978
63.	थाइरम परिक्षेपणीय चूर्ण	भा. मा. 4766—1982
64.	थाइरम सीड ड्रेसिंग विनिर्मितियां	भा. मा. 4783—1982
65.	पायरेथ्रम पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 4808—1982
66.	डायक्लोरोबोस तकनीकी	भा. मा. 4929—1978
67.	फासफीमडन, तकनीकी	भा. मा. 4953—1968
68.	डायक्लोरोबोस पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 5277—1978
69.	डायकोफोल, तकनीकी	भा. मा. 5278—1969
70.	डायकोफोल पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 5279—1969
71.	फेनीट्रोथियन, तकनीकी	भा. मा. 5280—1979
72.	फेनीट्रोथियन, पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 5281—1979
73.	वार्फेरिन चारा सांद्र	भा. मा. 5549—1970
74.	वार्फेरिन सोडियम तकनीकी	भा. मा. 5551—1970
75.	वार्फेरिन तकनीकी	भा. मा. 5552—1970

1	2	3		
76.	पाइरेथसवे आधारित पायसीकरणीय डिम्मनाशी तेल	भा.	मा.	6014—1978
77.	फासफेमीडन जल विलेय सांद्र	भा.	मा.	6177—1981
78.	पाइरेथरम घूलन चूर्ण	भा.	मा.	6178—1982
79.	हैप्टाक्लोर घूलन चूर्ण	भा.	मा.	6429—1981
80.	हैप्टाक्लोर, तकनीकी	भा.	मा.	6432—1972
81.	एल्यूमिनियम फास्फाइड विनिर्मितियां	भा.	मा.	6438—1980
82.	कारबरिल जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र	भा.	मा.	7121—1973
83.	कारबेरिल घूलन चूर्ण	भा.	मा.	7122—1984
84.	फेनीट्रोथियन घूलन चूर्ण	भा.	मा.	7126—1973
85.	आइसोबोरनिल थियोसाइनोएसिटेट (थानाइट) (तकनीकी)	भा.	मा.	7158—1973
86.	बाफेरिन सोडियम लवण जल विलेय चूर्ण	भा.	मा.	7168—1973
87.	ट्राइक्लोरफोन घूलन चूर्ण	भा.	मा.	7943—1976
88.	क्विनटोजीन चूर्ण	भा.	मा.	7944—1976
89.	ट्रिक्लोरोफोन तकनीकी	भा.	मा.	7948—1976
90.	फेनथियन पायसीकरणीय सांद्र	भा.	मा.	7947—1976
91.	क्विनटोजोन जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्र	भा.	मा.	7949—1976
92.	फैनथियन, तकनीकी	भा.	मा.	7950—1976
93.	फोरेट, तकनीकी	भा.	मा.	7976—1976
94.	क्विनटोजोन, तकनीकी	भा.	मा.	7985—1976
95.	फोरमोथियन तकनीकी घोल	भा.	मा.	8024—1976
96.	फोरमोथियन पायसीकरणीय दाने	भा.	मा.	8026—1976
97.	क्विनलफोस पायसीकरणीय सांद्र	भा.	मा.	8028—1976
98.	क्विनल फोस घूलन चूर्ण	भा.	मा.	8029—1985
99.	क्विनल फोस तकनीकी	भा.	मा.	8072—1984
100.	फेनयोऐटायसीकरणीय सांद्र	भा.	मा.	8291—1976
101.	फेनथोएट, तकनीकी	भा.	मा.	8293—1976
102.	फासलोन पायसीकरणीय सांद्र	भा.	मा.	8487—1977
103.	फोसलोन, तकनीकी	भा.	मा.	8488—1977
104.	फोसलोन घूलनचूर्ण	भा.	मा.	8489—1977
105.	ड्यूरोन, तकनीकी	भा.	मा.	8702—1978
106.	ड्यूरोन जल परिक्षेपणीय सांद्र	भा.	मा.	8703—1978
107.	एडिफनफोस, तकनीकी	भा.	मा.	8954—1978
108.	एडिफनफोस, पायसीकरणीय सांद्र	भा.	मा.	8955—1978
109.	फ्लूक्लोरलीन, तकनीकी सांद्र	भा.	मा.	8952—1978
110.	फ्लूक्लोरलीन पायसीकरणीय सांद्र	भा.	मा.	8959—1978
111.	मैथाइल पैराथियान घूलन चूर्ण	भा.	मा.	8860—1978
112.	क्लोरपोफोस, तकनीकी	भा.	मा.	8963—1978
113.	निकल क्लोराइड हक्साहाईड्रेट, पेस्टीसाइडल श्रेणी	भा.	मा.	9351—1980
114.	सोडियम साइनाइट कीटनाशी श्रेणी	भा.	मा.	9352—1980
115.	बूटाक्लोर, तकनीकी	भा.	मा.	9355—1980
116.	बूटाक्लोर पायसीकरणीय सांद्र	भा.	मा.	9356—1980

1	2	3
117.	फोरेट दाने संपुटित	भा. मा. 9359—1980
118.	बूटाक्लोर दाने	भा. मा. 9362—1980
119.	फैनिथयोन दाने	भा. मा. 9363—1980
120.	ट्राइक्लोरफोन दाने	भा. मा. 9364—1980
121.	कैलोट्रोथियन दाने	भा. मा. 9365—1980
122.	क्विलनफोस दाने	भा. मा. 9366—1980
123.	डायसल्फोरोन दाने, संपुटित	भा. मा. 9367—1980
124.	करबेरिल दाने	भा. मा. 9368—1980
125.	डायजिनान दाने	भा. मा. 9369—1980
126.	लिण्डेन दाने	भा. मा. 9370—1980
127.	एल्डीकार्ब दाने संपुटित	भा. मा. 9371—1980
128.	मैथाइल पैराथियन तकनीकी सांद्र	भा. मा. 9372—1980
129.	ट्राइडेमार्फ पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 9656—1980
130.	प्रोपोक्सर पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 9665—1981
131.	ट्राइडेमार्फ तकनीकी	भा. मा. 9667—1981
132.	एण्डोसल्फन दाने	भा. मा. 1065—1982
133.	नाइट्रोफन दाने	भा. मा. 10266—1982
134.	फैनयोएट दाने	भा. मा. 10267—1982
135.	क्लोरफेनविनफोस तकनीकी	भा. मा. 10268—1982
136.	फराक्येटडाइमेथाइल सल्फेट जल परिक्षेपनीय सांद्र	भा. मा. 10294—1982
137.	फैनोट्रोथियन जल परिक्षेपणीय चूर्ण	भा. मा. 10295—1982
138.	कैपटाफोल चूर्ण	भा. मा. 10296—1982
139.	कैपटाफोल तकनीकी	भा. मा. 10300—1982
140.	एथियन पायसीकरणीय सांद्र	भा. मा. 10319—1982
141.	कॉपर एसिटोआर्सेनाइट	भा. मा. 10355—1982
142.	एथियन तकनीकी	भा. मा. 10369—1982
143.	निकोटीन सल्फेट घोल	भा. मा. 1055—1984
144.	एल्यूमिनियम फास्फाईड विनिर्मिती	भा. मा. 6438—1980

[फाइल सं. 6/5/92—ई आई एण्ड ई पी]

कुमारी सुमा सुबण्णा, निदेशक

पाद टिप्पणी:—मूल अधिसूचना सं. का. आ. 3310 तारीख 7 अक्तूबर, 1970 द्वारा प्रकाशित की गयी थी ।

संशोधित अधिसूचना सं. का. आ. 87 तारीख 20 दिसम्बर, 1991 द्वारा प्रकाशित की गयी थी ।

New Delhi, the 10th January, 1994

S.O 326.—Whereas the Central Government in exercise of the powers conferred by section 8 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) proposes to recognise Standard Mark specified by the Bureau of Indian Standards in relation to Pestisides and their Formulations as specified in the Annexure to notification for the purpose of denoting that where the cartons or packages containing the said Pesticides and their Formulations are affixed or applied with such Mark, they shall be deemed to be in conformity with the standard specification applicable thereto under section 6 of the said Act.

And whereas the Central Government forwarded the said proposal to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964.

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggestions with respect to the said proposal may forward the same within forty-five days of the date of publication of this notification in the Official Gazette to the Export Inspection Council of India, 'Pragati Tower' (11th floor), 26, Rajindra Place, New Delhi-110 008.

ANNEXURE

Pesticides and their Formulations

Sl. No.	Name of the Pesticides and their formulations	Relevant Specification issued by the Indian Standards Institution
1	2	3
1.	HBC technical and refined	IS : 560—1980
2.	BHC (HCH) dusting powders	IS : 561—1978
3.	BHC (HCH) water dispersible powder concentrates	IS : 562—1978
4.	DDT technical	IS : 563—1973
5.	DDT dusting powders	IS : 564—1984
6.	DDT water dispersible powder concentrates	IS : 565—1984
7.	Mosquito larvicidal oil	IS : 588—1978
8.	Gamma BHC (Lindane) Emulsifiable concentrates	IS : 632—1978
9.	DDT Emulsifiable concentrates	IS : 633—1985
10.	Gamma BHC (Lindane)	IS : 882—1984
11.	Ethylene dichloride carbon tetrachloride mixture	IS : 634—1965
12.	Lime sulphur solution	IS : 1050—1984
13.	Pyrethrum extracts	IS : 1051—1980
14.	Nicotine sulphate solution	IS : 1055—1984
15.	Zinc phosphide, technical	IS : 1251—1984
16.	Aldrin, technical	IS : 1306—1974
17.	Aldrin, emulsifiable concentrates	IS : 1307—1982
18.	Aldrin dusting powder	IS : 1308—1984
19.	Endrin, technical	IS : 1309—1974
20.	Ethylene dibromide	IS : 1311—1966
21.	Methyl bromide	IS : 1312—1980
22.	Copper Oxchloride, technical	IS : 1486—1978
23.	Gamma,BHC (Lindane) smoke generators	IS : 1505—1968
24.	Copper oxychloride dusting powders	IS : 1506—1977
25.	Copper oxychloride water dispersible powder concentrates	IS : 1507—1977
26.	Cuprous oxide water dispersible powder concentrates	IS : 1665—1977
27.	Cuprous oxidedusting powders	IS : 1669—1960
28.	Cuprous oxide, technical (fungicidal grade)	IS : 1682—1973
29.	Insecticidal space spray	IS : 1824—1978
30.	Malathion, technical	IS : 1832—1978
31.	Diazinon, technical	IS : 1833—1980
32.	Phenyl mercury acetate, technical	IS : 2126—1973
33.	Stabilized methoxy ethyl mercury chloride concentrates	IS : 2127—1984
34.	Parathion ethyl, technical	IS : 2128—1978
35.	Phenyl mercury chloride, technical	IS : 2353—1963
36.	Formulations based stabilised methoxy ethyl mercury chloride concentrates	IS : 2358—1963
37.	Ethyl mercury chloride, technical	IS : 2354—1963
38.	Malathion emulsifiable concentrates	IS : 2567—1978
39.	Malathion dusting powders	IS : 2568—1978
40.	Malathion water dispersible powder concentrates	IS : 2569—1978
41.	Methyl parathion, technical	IS : 2570—1980
42.	Chlordane emulsifiable concentrates	IS : 2682—1984
43.	Dizinon emulsifiable concentrates	IS : 2861—1980
44.	Dizinon water dispersible powder, concentrates	IS : 2862—1984
45.	Chlordane, technical	IS : 2863—1968
46.	Chlordane, dusting powders	IS : 2864—1984
47.	Methyl parathion emulsifiable concentrates	IS : 2865—1978
48.	Organo mercurial dry seed dressing formulations	IS : 3284—1984
49.	Wettable sulphur powder	IS : 3383—1982
50.	Zineb, technical	IS : 3898—1981
51.	Zineb water dispersible powders	IS : 3899—1981
52.	Ziram, technical	IS : 3900—1975
53.	Ziram water water dispersible powder	IS : 3901—1975
54.	Dimethoate technical	IS : 3902—1975
55.	Dimethoate emulsifiable concentrates	IS : 3903—1984
56.	Thiometon concentrates	IS : 3904—1966
57.	Thiometon emulsifiable concentrates	IS : 3905—1966
58.	Thiram technical	IS : 4320—1982
59.	Endosulfan dusting powders	IS : 4322—1967
60.	Endosulfan emulsifiable concentrates	IS : 4323—1980
61.	Endosulfan water dispersible powder concentrates	IS : 4324—1967
62.	Endosulfan, technical	IS : 4344—1978
63.	Thiram water dispersible powder	IS : 4766—1982
64.	Thiram seed dressing formulations	IS : 4783—1982
65.	Pyrethrum emulsifiable concentrates	IS : 4808—1982
66.	Dichlorvos, technical	IS : 4929—1978
67.	Phosphamidon, technical	IS : 4958—1968
68.	Dichlorvos emulsifiable concentrates	IS : 5277—1978
69.	Dicofol, technical	IS : 5278—1969
70.	Dicofol emulsifiable concentrates	IS : 5279—1969
71.	Fenitrothion, technical	IS : 5280—1969
72.	Fenitrothion, emulsifiable concentrates	IS : 5281—1979
73.	Warfarin bait concentrates	IS : 5549—1970
74.	Warfarin sodium technical	IS : 5551—1970
75.	Warfarin, technical	IS : 5552—1970
76.	Emulsifiable larvicidal oil pyrethram bases	IS : 6014—1978

1	2	3
77. Phosphamidon water soluble concentrates	IS : 6177	1981
78. Pyrethrum dusting powder	IS : 6178	1982
79. Heptachlor dusting powders	IS : 6429	1971
80. Heptachlor, technical	IS : 6432	1972
81. Aluminium phosphide formulation	IS : 6438	1980
82. Carbaryl water dispersible powder concentrates	IS : 7121	1973
83. Carbaryl dusting powders	IS : 7122	1984
84. Fanitrothion dusting powders	IS : 7126	1973
85. Isobornyl thiocyanoacetate (Thanite) technical	IS : 7158	1973
86. Warfarin sodium salt soluble powder	IS : 7168	1973
87. Trichlorfon dusting powders	IS : 7943	1976
88. Quintozene dusting powders	IS : 7944	1976
89. Trichlorfon, technical	IS : 7945	1975
90. Fenthion emulsifiable concentrates	IS : 7948	1976
91. Quintozene water dispersible powder concentrates	IS : 7949	1976
92. Fenthion, technical	IS : 7950	1976
93. Phorate, technical	IS : 7976	1976
94. Quintozene, technical	IS : 7985	1976
95. Formothion technical solution	IS : 8024	1976
96. Formothion emulsifiable concentrates	IS : 8026	1976
97. Quinalphos emulsifiable concentrates	IS : 8028	1976
98. Quinalhos dusting powder	IS : 8029	1985
99. Qfiinalphos technical	IS : 8072	1984
100. Phenthoate emulsifiable concentrates	IS : 8291	1976
101. Phenthoate, technical	IS : 8293	1976
102. Phosalone, emulsifiable concentrates	IS : 8487	1977
103. Phosalone, technical	IS : 8488	1977
104. Phosalone, dusting powder	IS : 8489	1977
105. Diuron, technical	IS : 8702	1978
106. Diuron water dispersible concentrates	IS : 8703	1978
107. Edifenphos, technical	IS : 8954	1978
108. Edifenphos, emulsifiable concentrates	IS : 8955	1978
109. Fluchloralin, technical concentrates	IS : 8958	1978
110. Fluchloralin emulsifiable concentrates	IS : 8959	1978
111. Methyl parathion dusting powders	IS : 8960	1978
112. Chlorpyrifos, technical	IS : 8963	1978
113. Nickel chloride, hexahudrate, pesticidal grade	IS : 8951	1980
114. Sodium cyanide, pesticidal grade	IS : 9352	1980
115. Butachlor, technical	IS : 9355	1980
116. Butachlor, emulsifiable concentrates	IS : 9356	1980
117. Phorote granules, encapsulated	IS : 9359	1980
118. Butachlor granules	IS : 9362	1980
119. Fenithion granules	IS : 9363	1980
120. Trichlorfon granules	IS : 9364	1980
121. Fenitrothion granules	IS : 9365	1980
122. Quinalphos granules	IS : 9366	1980
123. Disulfoton granules encapsuated	IS : 9367	1980
124. Carbaryl granules	IS : 9368	1980
125. Diazinongranules	IS : 9369	1980
126. Lindane granfiles	IS : 9370	1980
127. Aldicarb granules encapsulated	IS : 9371	1980
128. Methyl parathion, technical concentrates	IS : 9372	1980
129. Tridemorph emulsifiable concentrates	IS : 9656	1980
130. Propoxur emulsifiable concentrates	IS : 9665	1981
131. Tridemorph technical	IS: 9667	1981
132. Endosulfan granules	IS : 10265	1982
133. Nitrofan granules	IS : 10266	1982
134. Phenthoate granules	IS : 10267	1982
135. Chlorfenvinphos, technical	IS : 10268	1982
136. Faraquate dimethyl sulphate water soluble concentrates	IS : 10294	1982
137. Fanitrothion water dispersible powder	IS : 10295	1982
138. Captafol water dispersible powders	IS : 10296	1982
139. Captafol technical	IS : 10300	1982
140. Ethioinemulsofiable concentrates	IS : 10319	1982
141. Copper acetoarsenite	IS : 10355	1982
142. Ethion technical	IS : 10369	1982
143. Nicotine sulphate solution	IS : 1055	1984
144. Aluminium phosphide formulation	IS : 6438	1980

[F. No. 6/5/92-EI&EP]

Kum. SUMA SUBBANNA, Director

Foot Note

(i) Principal Notification was published vide S.O. 3310 dated the 7th October 1970.

(ii) Amended Notification was published vide S.O. 87 dated the 20th December, 1991.

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1994

का.आ. 327.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उप-धारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3975 तारीख 20-12-65 से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-I) का विशाखापत्तनम् में निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स सुपरिंटेंडेंस् कं. आफ इंडिया (प्रा.) लि. 24/1/22-ए, थाम्मन स्ट्रीट, विशाखापत्तनम्-530001 को इस अधि-सूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के

लिए एक अभिकरण के रूप में निम्न शर्तों के अधीन एतद्द्वारा मान्यता देती है, अर्थात् :—

(i) मैसर्स सुपरिंटेंडेंट्स कं. आफ इंडिया (प्रा.) लि. निर्यात निरीक्षण अभिकरण द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को अपने द्वारा अपनाई गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करेगा जिससे कि वह खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-I) के निर्यात निरीक्षण नियम, 1965 के नियम 4 के अन्तर्गत नियम 4 में निरीक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए प्राधिकृत है।

(ii) मैसर्स सुपरिंटेंडेंट्स कं. आफ इंडिया (प्रा.) लि. इस अधिसूचना के अधीन अपने कार्यों के अनुपालन में ऐसे निर्देशों द्वारा आबद्ध होगा जो निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में प्रदान करेंगे।

[फाईल सं. 5/9/93-ईआई एंड ईपी]

कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1994

S.O. 327.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Superintendence Co. of India (P) Ltd., 24|1|22-A, Thompson Street, Visakhapatnam-530 001, as an agency for the inspection of Minerals and Ores (Group-I) specified in schedule annexed to Ministry of Commerce Notification No. S.O. 3975 dated 20-12-65 prior to export at Visakhapatnam, subject to the following conditions, namely:—

(i) that M/s. Superintendence Co. of India (P) Ltd., shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to cation shall be bound by such directive as the in granting the certificate of inspection under rule 4 of Export Inspection under rule 4 of Export of Minerals and Ore (Group-I) (Inspection) Rules, 1965;

(iii) that M/s. Superintendence Co. of India (P) Ltd., in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection & Quality Control) may give in writing from time to time.

[F. No. 5/9/93-EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1994

का. आ. 328 :—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार मैसर्स मित्रा एस. के. (प्रा.) लि. मधुसूदन नगर तुलसीपुर कटक को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-I) तथा (ग्रुप-II) के निर्यात से पूर्व निरीक्षण के लिए वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 3975 तारीख 20-12-65 तथा का. आ. सं. 3978 दिनांक 20-12-65 में क्रमशः संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के अधीन एक अभिकरण के रूप में मान्यता प्रदान करती है, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मित्रा एस. के. प्रा. लि. कटक निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को अपने द्वारा अपनाई गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा जिससे कि खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-I) तथा (ग्रुप-II) के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अंतर्गत प्रमाण पत्र दिया जा सके।

(2) मैसर्स मित्रा एस. के. प्रा. लि., कटक इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में ऐसे निर्देशों द्वारा आबद्ध होगा जो निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देगें।

[फाईल सं. 5/15/93 ई. आई. एंड ई पी]

कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

New Delhi, the 11th January, 1994

S.O. 328.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this notification, M/s. Mitra S.K. Pvt. Ltd, Madhusudan Nagar, Tulsipur, Cuttack, as an agency for the inspection of Minerals and Ores (Group-I) and (Group-II) specified in Schedule annexed to Ministry of Commerce Notification No. S.O. 3975 dated 20-12-1965 and Notification No. S.O. 3978 dated 20-12-1965 respective prior to export at Madras, subject to the following conditions, namely :—

(i) that M|s. Mitra S.K. Pvt. Ltd, Cuttack shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of Export of Minerals and Ore (Group-I) and (Group-II) (Inspection) Rules, 1965;

(ii) that M|s. Mitra S.K. Pvt. Ltd, Cuttack in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection & Quality Control) may give in writing from time to time.

[F. No. 5|15|93 EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का. आ. 329 :—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-I तथा ग्रुप-II) का निर्यात से पूर्व निरीक्षण करने के लिए मैसर्स मित्रा एस. के. प्राईवेट लिमिटेड, विद्यानगर, पो. आ. कुलाई, होसाबेटू, मैंगलूर—574176 को इस अधिसूचना के प्रकाशन

की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए, निम्न शर्तों के अधीन एतद्द्वारा अभिकरण के रूप में मान्यता देती है, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मित्रा एस. के. प्रा. लि. निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा इस संबंध में नामित अधिकारी को अपने द्वारा अपनाई गयी निरीक्षण पद्धति की जांच करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं देगा ताकि खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-I तथा ग्रुप-II) के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1965 के नियम 4 के अंतर्गत प्रमाण पत्र दिया जा सके।

(2) मैसर्स मित्रा एस. के. प्रा. लि. अपने कृत्यों के पालन में ऐसे आदेशों से आबद्ध होगा जो निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) समय-समय पर लिखित रूप में देंगे।

अनुसूची

1. खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-1)
   01. कच्चा मैंगनीज, मैंगनीज डायक्साइड रहित।
   02. कच्चा लोहा।
   03. बोक्साइट, कैलसींड बोक्साइट रहित
2. खनिज तथा अयस्क (ग्रुप-II)
   01. मैंगनीज डायक्साइड
   02. क्रोम कच्चा क्रोम क्रोम संकेन्द्रण सहित
   03. कायनाइट
   04. सिल्लीमैनाइट
   05. मैगनेसाइट निस्पत्त तथा कैलशिंड सहित।

[फाईल सं. 5/12/93 ई. आई. एंड ई. पी.]

कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 329.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Goevrnment hereby recognises for a period of three years with effect from the date of publication of this notification M/s. Mitra S.K. Private Ltd., Vidyanagar, P..O. Kulai, Hosabettu, Mangalore-574176 as an agency for the inspection of Minerals and Ores (Group-I and Group-II) specified in the schedule annexed hereby prior to export subject to the following conditions, namely:—

(i) that M/s. Mitra S.K. Pvt. Ltd. shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of Inspection followed by them in granting the certificate of inspection under rule 4 of Export of Minerals and Ores (Group-I & II) (inspection) Rules, 1965;

(ii) that M/s Mitra S.K. Pvt. Ltd., in this performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection & Quality Control) may give in writing from time to time.

SCHEDULE

I. Minerals and Ores (Group-I)
   01. Manganese Ores (Group-I)
   02. Irone Ore
   03 Bauxite, including calcined bauxite.

II. Minerals and Ores (Group-II)
   01. Manganese Dioxide
   02. Chrome Ore, including Chrome concentrates.
   03. Kyanite
   04. Sillimanite
   05. Magnesite, including dead-burnt and calcined Magnesite.

[F. N. 5|12|93 EI&EP]

KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली 12 जनवरी, 1994

का. आ. 330 :—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स माइक्रोबेट प्राइवेट लि., 41-8-37 कमर्शियल रोड, काकीनाडा—533 007 को (i) तेल रहित चावल की भूसी और (ii) हड्डियों का चूरा सींग तथा खुरों का निर्यात से पूर्व धूम्रीकरण के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए अभिकरण के रूप में निम्नलिखित शर्तों के अधीन मान्यता प्रदान करती है, अर्थात् :—

(1) मैसर्स माइक्रोबेट प्रा. लि. काकीनाडा तेल रहित चावल की भूसी के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1966 के नियम 4 के उपनियम 4 तथा हड्डियों का चूरा सींग तथा खुरों के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1977 के नियम 5 के अंतर्गत धूम्रीकरण का प्रमाण पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गयी पद्धति की जांच करने के लिए इस संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

(2) मैसर्स माइक्रोबेट प्रा. लि. काकीनाडा इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) द्वारा समय-समय पर लिखित दिए गए सभी निर्देशों से बाध्य रहेंगे।

(3) मैसर्स माइक्रोबेट प्रा. लि. काकीनाडा को केवल एल्यूमिनियम फास्फाइड का धूम्रीकरण के रूप में प्रयोग करने के लिए अनुमति दी जाएगी।

[फाईल सं. 5/16/93 ई. आई. एंड ई. पी.]

कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 330.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and

Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this notification M/s. Mysodet Private Ltd., 41-8-37 Commercial Road, Kakinada-533 007 as an agency for the fumigation of (i) De-oiled Rice Bran and (ii) Crushed Bones, Horns and Hooves prior to their export subject to following conditions, namely :

(i) that M/s. Mysodet Private Ltd., Kakinada shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of fumigation followed by them in granting the certificate of fumigation under sub rule (4) of rule 4 of the Export of De-oiled Rice Bran (Inspection) Rules, 1966 and rule 5 of the Export of Crushed Bones, Horns and Hooves (Inspection) Rules, 1977.

(ii) that M/s. Mysodet Private Ltd. Kakinada in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection & Quality Control) may give in writing from time to time.

(iii) that M/s. Mysodet Private Ltd., Kakinada shall be allowed to use only Aluminium Phosphide as fumigant.

[F. No. 5|16|93 EI&FP]
KUM. SUMA SUBBANNA, Director

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का. आ. 331.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स डा. सरूप पेस्ट कंट्रोल (प्रा.) लि. 46-1-28 जगनायकपुर, काकीनाडा-533002 को (i) तेल रहित चावल की भूसी और (ii) हड्डियों का चूरा सींग तथा खुरों का निर्यात से पूर्व धूमीकरण के लिए इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए एक अभिकरण के रूप में निम्नलिखित शर्तों के अधीन मान्यता प्रदान करती है, अर्थात् :—

(1) डा. सरूप पेस्ट कंट्रोल (प्रा.) लि. काकीनाडा तेल रहित चावल की भूसी के निर्यात (निरीक्षण) नियम 1966 के नियम 4 के उपनियम 4 तथा हड्डियों का चूरा, सींग तथा खुरों के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1977 के नियम 5 के अंतर्गत धूमीकरण का प्रमाण पत्र देने के लिए उक्त अभिकरण द्वारा अपनाई गयी पद्धति की जांच करने के लिए इस संबंध में निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा मनोनीत किसी भी अधिकारी को पर्याप्त सुविधाएं देगा।

(2) डा. सरूप पेस्ट कंट्रोल (प्रा.) लि. काकीनाडा इस अधिसूचना के अधीन अपने कृत्यों के पालन में निदेशक (निरीक्षण एवं क्वालिटी नियंत्रण) द्वारा समय-समय पर लिखित दिए गए सभी निर्देशों से बाध्य रहेंगे।

(3) मैसर्स डा. सरूप पेस्ट कंट्रोल (प्रा.) लि. काकीनाडा को केवल एल्यूमिनियम फासफाइड का धूमीकरण के रूप में प्रयोग करने के लिए अनुमति दी जाएगी।

[फाईल सं. 5/17/93/ई आई एंड ई पी]
कुमारी सुमा सुब्बण्णा, निदेशक

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 331.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises for a period of three years from the date of publication of this notification Dr. Sarup's Pest Control (P) Ltd., 46-1-28, Jaganaickpur, Kakinada-533002 as an agency for the fumigation of (i) De-oiled Rice Bran and (ii) Crushed Bones, Horns and Hooves prior to their export subject to following conditions, namely :—

(i) that Dr. Sarup's Pest Control (P) Ltd., Kakinada shall give adequate facilities to the officers nominated by the Export Inspection Council in this behalf to examine the method of fumigation followed by them in granting the certificate of fumigation under sub-rule (4) of rule 4 of the Export of De-oiled Rice Bran (Inspection) Rules, 1966 and rule 5 of the Export of Crushed Bones, Horns and Hooves (Inspection) Rules, 1977.

(ii) that Dr. Sarup's Pest Control (P) Ltd., Kakinada in the performance of their function under this notification shall be bound by such directives as the Director (Inspection & Quality Control) may give in writing from time to time.

(iii) that Dr. Sarup's Pest Cotrol (P) Ltd., Kakinada shall be allowed to use only Aluminium Phosphide as fumigant.

[F. No. 5|17|93 EI&EP]
Kum. SUMA SUBBANNA, Director

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(भारतीय मानक ब्यूरो)

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1994

का.आ. 332.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) के खंड "ख" के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे दिए गए मानक(कों) में संशोधन किया गया है/किये गये हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधन भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस : 302–2–3 (1992)	संशोधन संख्या 3 दिसम्बर 1993	1993-12-31
2.	आईएस : 366—1991	संशोधन संख्या 2 दिसम्बर 1993	1993-12-31

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध है।

[संख्या के.प्र.वि./13 : 5]

एस. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
CONSUMER AFFAIRS & PUBLIC DISTRIBUTION

(BUREAU OF INDIAN STANDARDS)

New Delhi, the 4th January, 1994

S.O.332.—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed have been issued.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standard	No. and year of the amendment	Date from which the amendment shall have effected.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 302-2-3 (1992)	Amendment No. 3 Dec. 1993	1993-12-31
2	IS : 366—1991	Amendment No 2 Dec. 1993	-do-

Copies of these Amendments are available from the Bureau of Indian Standards, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and from Regional Offices at, Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also from Branch Offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna and Thiruvananthapuram.

[No. CMD/13:5]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1994

का.आ. 822.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की सं. और वर्ष	स्थापित तिथि
1.	आईएस : 405 (भाग 2)—1992 सीसे की चद्दर और पट्टियां— विशिष्टि भाग 2 रासायनिक प्रयोजनों के अलावा (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 405 (भाग 1)—1977	1992-12-31
2.	आईएस : 1878 (भाग 2)—1992 सामान्य प्रयोजी समांतर खराद के लिए परीक्षण चार्ट भाग 2 800 मिमी से 1600 मिमी तक स्विंग ओवर बैड सहित (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 1878 (भाग 2)—1971	1992-12-31
3.	आई एस : 2096 : 1992 एस्बेस्टस सीमेंट की फ्लैट चद्दरें—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 2096—1965	1992-12-31
4.	आईएस : 12600 (भाग 3)—1992 डाई ढलाइयों हेतु जिंक और जिंक आधारित मिश्रधातु के रासायनिक विश्लेषण की विधियां भाग 3 परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोमीट्री विधि द्वारा इंडियम का निर्धारण	आई एस : 2600—1964	1992-01-31
5.	आईएस : 3025 (भाग 43)—1992 जल और गंदे जल के नमूने लेने और परीक्षण "भौतिक और रासायनिक की विधियां भाग 43 फीनोल	आई एस : 3025 (भाग 43)—1964	1992-12-31
6.	आई एस : 3643—1992 शल्यक्रिया विच्छेदन चिमटियां (सेरेटित और दांतेदार) आकार	आई एस—3643—1966	1992-09-30
7.	आई एस : 4280—1992 परिशोधित द्वितीयम टिन इंगट—विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 4280—1979	1992-12-31
8.	आईएस : 5442—1992 हीमेटाइट लौह आयस्क—वर्गीकरण (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 5442—1982	1992-12-31
9.	आईएस : 5817—1992 भवन और सड़क निर्माण में चूना पोजलाना मिश्रण कंक्रीट	आई एस : 5817—1970	1993-12-31
10.	आई एस : 7511 (भाग 1)—1992 नक फिनिश हेतु आयाम भाग 1 शेलो सतत चूड़ी फिनिश (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 7511 (भाग 1)—1986	1992-12-31
11.	आई एस : 7637—1992 5 फ्लोरा 2—टॉलूईन— विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 7637—1975	1992-12-31
12.	आईएस : 8040—1992 शल्यक्रिया यंत्र—धमनियों हेतु चिमटी, कोचर पैटर्न—आकार और आयाम (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 8040—1976	1992-12-31

1	2	3	4
13.	आईएस : 9127 (भाग 1)—1992 कोयले की पेट्रोग्राफीय विश्लेषण से संबंद्ध पदों की परिभाषाएं (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 9127 (भाग 1) 1979	1992-12-31
14.	आई एस : 9401 (भाग 15/खंड 2)—1992 नदीघाटी परियोजनाओं (बांध और संरचनाओं) में कार्यमापन की विधि भाग 15 जांच कार्य खंड 2 एक्सप्लोरेट्री ड्रिफ्टिंग	आई एस—	1992-12-31
15.	आई एस : 9483 : 1993 मापन यंत्र माइक्रो मीटर शीर्ष—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 9483—1980	1992-01-31
16.	आई एस : 9905—1992 तकनीकी ग्रेड सोडियम एल्काइल बेन्जीन सल्फोनेट—विशिष्टि	आई एस: 9905—1981	1192-12-31
17.	आईएस : 10352—1992 क्षैतिज तुर्क सहित आंतरिक घिसाई मशीन हेतु परीक्षण चार्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 10352—1982	1192-11-30
18.	आईएस : 10599—1993 शल्यक्रिया यंत्र—नीडिल होल्डर, हेगर पैटर्न साइज, आकार और आयाम (पहला पुनरीक्षण)	आई एस—10599—1983	1993-01-31
19.	आई एस : 10703—1992 कृषि ट्रैक्टर प्रचालन कंट्रोल के लिए आवश्यक अधिकतम एक्चुएटिंग बल (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 10703—1983	1992-12-31
20.	आई एस : 11595—1992 शल्यक्रिया यंत्र पेरिटोनियम चिमटी, मैकुलिज पैटर्न आकार और आयाम (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 10595—1986	1992-12-31
21.	आईएस : 12970 (भाग 5/खंड 4)—1992 अर्द्धचालक युक्तियां—एकीकृत परिपथ भाग 5 एनालॉग एकीकृत परिपथ आवश्यक रटिंग और अभिलक्षण खंड 4 आर. एफ. और आई. एफ. प्रवर्तक	—	1992-12-31
22.	आई एस : 13277—1992 संतुलन मशीन विवरण और मूल्यांकन	—	1992-10-31
23.	आईएस : 13278 : संतुलन मशीन के सामने के फलक के प्रतीक	—	1992-08-31
24.	आई एस : 13360 (भाग 6/खंड 10)—1992	—	1992-12-31
	प्लास्टिक—परीक्षण विधियां भाग 6 तापीय गुणधर्म खंड 10 अर्द्धक्रिस्टलीय पॉलीमर का गलन व्यवहार का निर्धारण (गलनताप या गलन रेंज)	—	1992-12-31
25.	आईएस : 13411—1992 कांच प्रबलित पॉलीएस्टर का गुंथा संचकन यौगिक —विशिष्टि	—	1992-11-30
26.	आईएस : 13511—1992 पैकेजिंग—थर्माप्लास्टिक नम्य फिल्म से बने थैले—शब्दावली और टाइप	—	1992-12-31
27.	आईएस : 13523 (भाग 1)—1992 बिजली के चिकित्सा उपकरण—स्वचलन उपचार उपस्कर भाग सामान्य और निरापदता की अपेक्षाएं	—	1992-12-31
28.	आईएस : 13531—1992 मोटरवाहन टायर ट्रैड रबड़—सांचे में पकने वाली रिट्रेडिंग हेतु—विशिष्टि	—	1992-12-31
29.	आईएस : 13542—1992 द्रवदालित तरल पावर—विश्लेषण आंकड़ों की रिपोर्टिंग की विधि	—	1992-12-31

1	2	3	4
30.	आई एस : 13550 (भाग 11)—1992 प्रलेखन और सूचना—शब्दावली भाग II दृश्य श्रव्य प्रलेख	—	1992 11 30
31.	आईएस : 13551—1992 स्लिपवे पाइअर और क्रीप्ट की संरचनात्मक डिजाइन—कसौटी	—	1992 12 31
32.	आईएस : 13575—1992 अस्तर लगे स्थैतिक प्रतिरोधी रबड़ के फुटवीयर —विशिष्टि	—	1992 12 31
33.	आईएस : 13576—1992 खाद्य सामग्री औषध और पेयजल संपर्क में आने वाले इलाइलीन मीथक्राइलिक अम्ल (इएमए) कोपालीमर और टरपालीमर—विशिष्टि	—	1992 12 31
34.	आईएस : 13599—1993 मोटर वाहन —यंत्र प्रणाली—तापगेज—विद्युत टाइप—विशिष्टि	—	1993 01 31
35.	आईएस : 13600—1992 सिल्वर पैलेडियम मिश्र-धातु का रासायनिक विश्लेषण	—	1992 12 31
36.	आईएस : 13618—1992 खान ढुलाई-प्रत्यक्ष रस्सा (50 से 150 किवा) सामान्य अपेक्षाएं	—	1993 01 31
37.	आईएस : 13625—1992 एक्राइलिक और संबद्ध सिन्टेन सहित पुनः टैनिंग सिनेटन	—	1992 12 31
38.	आईएस : 13628—1992 वस्त्रादि मशीनरी—वस्त्रादि फिनिशिंग मशीनों हेतु निचोड़ने वाले रोलर	—	1992 12 31
39.	आईएस : 13630 (भाग 2)—1992 सिरेमिक टाइल—परीक्षण विधियां भाग 2 जल अवशोषण का निर्धारण	—	1992 12 31
40.	आईएस : 13630 (भाग 4)—1992 सिरेमिक टाइल—परीक्षण विधियां भाग 4 रेखिक ताप प्रसार का निर्धारण	—	1992 12 31
41.	आईएस : 13630 (भाग 5)—1992 सिरेमिक टाइल—परीक्षण विधियां भाग 5 तापीय झटके के प्रतिरोधिता का निर्धारण	—	1992 12 31
42.	आईएस : 13644—1992 शुष्क कोकुम —विशिष्टि	—	1992 12 31
43.	आईएस : 13668—1993 सिकाई की तीव्रता निर्धारण हेतु मार्गनिदश	—	1993 01 31

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफरमार्ग नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेंद्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र. वि. 13 : 2]

एन. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 5th January, 1994.

S.O. 333:— In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on the date indicated against each :

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. Year and Title of the Indian Standards(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 405 (Part 2) : 1992 Lead sheets and strips — Specification Part 2 for other than chemical purposes (Third Revision)	IS 405 (Part 2) : 1977	1992-12-31
2.	IS 1878 (Part 2) —1992 Test chart for general purpose parallel lathes Part 2 Lathes with swing over bed over 800 mm and upto 1600 mm (Second Revision)	IS 1878 (Part 2) : 1971	1992-12-31
3.	IS 2096—1992 Asbestos cement flat sheets— Specification (First Revision)	IS 2096 : 1964	1992-12-31
4.	IS 2600 (Part 3) : 1993 Methods of chemical analysis of zinc and zinc base alloys for die castings Part 3 Determination of indium by atomic absorption spectrometric method (First Revision)	IS 2600 : 1964	1993-01-31
5.	IS 3025 (Part 43) : 1992 —Methods of sampling and test (Physical and chemical) for water and wastewater Part 43 Phenols (First Revision)	IS 3025 (Part 43) : 1964	1992-12-31
6.	IS 3643 : 1992 Surgical instruments —Dissecting forceps (Serrated and toothed)—Shapes and dimensions (First Revision)	IS 3643 : 1966	1992-09-30
7.	IS 4280 : 1992 Refined secondary tin—ingot— —Specification (Second Revision)	IS 4280 : 1979	1992-12-31
8.	IS 5442 : 1992 Haematite iron ore— Classification (Second Revision)	IS 5442 : 1982	1992-12-31
9.	IS 5817 : 1992 Preparation and use of lime pozzolana mixture concrete in buildings and roads—Code of practice (First Revision)	IS 5817 : 1970	1992-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)
10.	IS 7511 (Part 1) : 1992 Dimensions for neck finishes Part 1 Shallow continuous thread finishes (Second Revision)	IS 7511 (Part 1) : 1986	1992-12-31
11.	IS 7637 : 1992—5-Chloro-2-Toluidine—Specification (First Revision)	IS 7637 : 1975	1992-12-31
12.	IS 8040 : 1992 Surgical instruments—Artery forceps, kocher's pattern—Shape and dimensions (First Revision)	IS 8040 : 1976	1992-12-31
13.	IS 9127 (Part 1) : 1992 Methods of petrogaphic analytis of coal Part 1 Definition of terms relating to petrographic analysis of coal (First Revision)	IS 9127 (Part 1) : 1979	1992-12-31
14.	IS 9401 (Part 15—/Sec 2) : 1992 Method of measurement of works in river valley projects (Dams and appurtenant structures) Part 15 Investigation works Section 2 Exploratory Drifting	...	1992-12-31
15.	IS 9483 : 1993 Measuring instruments-micrometer heads—Specification (First Revision)	IS 9483 : 1980	1993-01-31
16.	IS 9985 : 1992 Sodium alkyl benzene sulphonate, technical—Specification (First Revision)	IS 9985 : 1981	1992-12-31
17.	IS 10352 : 1992 Test charts for internal cylindrical grinding machines with horizontal spindle (First Revision)	IS 10352 : 1982	1992-11-30
18.	IS 10599 : 1993 Surgical instruments—needle holders, hegar's pattern—sizes, shape and dimensions (First Revision)	IS 10599 : 1983	1993-01-31
19.	IS 10703 : 1992 Agricultural tractors—maximum actuating forces required to operate controls (First Revision)	IS 10703 : 1983	1992-12-31
20.	IS 11595 : 1992 Surgical instruments—peritoneum forceps, McKulicz's pattern—shape and dimensions (First Revision)	IS 10595 : 1986	1992-12-31
21.	IS 12970 (Part 5/Sec 4) : 1992 Semiconductor devices—integrated circuits Part 5 Analogue integrated circuits—essential ratings and characteristics Section 4 R.F. and I.F. Amplifiers	...	1992-12-31
22.	IS 13277 : 1992 Balancing machines—Description and evaluation	...	1992-10-31
23.	IS 13278 : 1992 Symbols for front panels of balancing machine	...	1992-08-31

(1)	(2)	(3)	(4)
24.	IS 13360 (Part 6/Sec 10) : 1992 Plastics—Methods of testing Part 6 Thermal properties Section 10 Determination of melting behaviour (Melting temperature or melting range) of Semi-Crystalline polymers	..	1992-11-30
25.	IS 13411 : 1992 Glass reinforced polyester dough moulding compounds—Specification	..	1992-11-30
26.	IS 13511 : 1992 Packaging—Sacks made from thermoplastic flexible film—Vocabulary and types	..	1992-12-31
27.	IS 13523 (Part 1) : 1992 Medical electrical equipment—Short wave therapy equipment Part 1 General and safety requirements	..	1992-12-31
28.	IS 13531 : 1992 Automotive tyres—Cread rubber-mould cure retreading—Specification	..	1992-12-31
29.	IS 13542 : 1992 Hydraulic fluid power—contamination analysis —Method of reporting analysis date	..	1992-12-31
30.	IS 13550 (Part 11) : 1992 Documenitaton and information—Vocabulary Part 11 Audio-visual documents	..	1992-11-30
31.	IS 13551 : 1992 Structural design of spillway pier and crest—Criteria	..	1992-12-31
32.	IS 13575 : 1992 Lined antistatic rubber footwear—Specification	..	1992-12-31
33.	IS 13576 : 1992 Ethylene methacrylic acid (Emaa) copolymers and terpolymers for their safe use in contact with foodstuffs, pharmaceuticals and drinking water—Specification	..	1992-12-31
34.	IS 13599 : 1993 Automotive vehicles—instrument systems—temperature gauges—electrical type—Specification	..	1993-01-31
35.	IS 13600 : 1992 Chemical analysis of silver palladium alloys		1992-12-31
36.	IS 13618 : 1993 Mine haulages-direct rope (50 to 150 kW)—General requirements	..	1993-01-31
37.	IS 13625 : 1992 Retanning syntans including acrylic and related syntans—Specification	..	1992-12-31
38.	IS 13628 : 1992 Textile machinery—squeezing rollers or textile finishing machines—Specification	..	1992-12-31
39.	IS 13630 (Part 2) : 1992 Ceramic tiles—Methods of test Part 2 Determination of water absorption	..	1992-12-31
40.	IS 13630 (Part 4) : 1992 Ceramic tiles—Methods of test Part 4 Determination of linear thermal expansion	..	1992-12-31
41.	IS 13630 (Part 5) : 1992 Ceramic tiles—Methods of test Part 5 Determination of resistance to thermal shock	..	1992-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)
42	IS 13644 : 1992 Dry kokum —Specification	..	1992-12-31
43	IS 13668 : 1993 Guidelines for fixing intensity of irrigation		

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhawan, : 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubneshwar, Gawahati, Hyderabad, Jaipur, Patna and Trivenderum, Kanpur.

[No CMD : 13 : 2]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1994

का.आ. 334.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय मानक/मानकों, का/के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, वह/वे स्थापित हो गया है/हो गए हे ।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की सं. और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस : 7461 (भाग 1)—1993 गुंडाकार रोलर बेयरिंग हेतु सीमा के आयाम की सामान्य अपेक्षाएं भाग 1 एकल पंक्ति बेयरिंग (दूसरा पुनरीक्षण)	आईएस : 7461—1994	1993-05-30
2.	आईएस : 7866—1993—वस्त्रादि-रिंग स्पन पोलीएस्टर मिश्रित कोरा धागा—विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 7866—1975	1993-04-30
3.	आईएस : 8159 : 1993—आवृत्ति अभिलक्षणों और ध्रुव आरेखों को खींचने हेतु पैमाने और साईज (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 8159—1976	1993-02-28
4.	आईएस : 8367—1993 रांगा चूर्ण— विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 8367—1977	1993-02-28

(1)	(2)	(3)	(4)
5.	आईएस : 8356—1993— टिटेनियम डाइआक्साइड खाद्य ग्रेड— (पहला पुनरीक्षण)	आईएस : 8356—1977	1993-02-28
6.	आईएस : 8572—1993— ट्रांसफार्मर डोरियों के लिए कागज आवरित नम्य/लड़दार तांबा चालक विशिष्टि	आई एस : 8572— 1977	1993-04-30
7.	आईएस : 182(भाग 1)—1993 तार रस्सी और रेशेकोड़ो हेतु स्नेहक— विशिष्टि भाग 1 तार रस्सी के रेशा कोडो हेतु स्नेहक (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 9182—1979	1993-03-30
8.	आईएस : 9182 (भाग 3)—1993 तार रस्सी और रेशेकोडों हेतु स्नेहक— विशिष्टि भाग 3 सेवाओं में रस्सी ड्रेसिंग हेतु स्नेहक (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 9182—1979	1993-04-30
9.	आईएस : 9299 (भाग 3/खंड 7) —1993—पूर्व निर्मित अभ्रक या उपधारित अभ्रक कागज आधारित रोधन सामग्री—विशिष्टि भाग 3 एकल सामग्री की वशिष्टि खंड 7 अभ्रग कागज	आई एस : 9299—1982	1993-04-38
10.	आईएस : 9742—1993—ऊष्मीय रोधन हेतु छिड़की गई खनिज ऊर्ण— विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 9742—1981	1993-02-28
11.	आईएस : 10243—1993 2, 4 डी इथाइल एस्टर ईसी- विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 10243—1982	1993-01-31
12.	आईएस : 11081—1993—कृषि ट्रेक्टर—आधा पिंजर पहिए— विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 11081—1984	1993-03-30
13.	आईएस : 1129 (भाग 2)—1993 ग्राउट कारटेन को डिजाइन की मार्गनिदेश (भाग 2 चिनाई एवं कंक्रीट गुरुत्व बांध)	—	1993-03-30
14.	आईएस : 11723 (भाग 1)—1992 यांत्रिक निर्धारण—दृढ़ रोटर की सन्तुलन गुणता अपेक्षाएं भाग 1 अनुमत अवशिष्ट असंतुलित का निर्धारण (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 11723—1985	1993-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)
15.	आईएस : 12375 (भाग 4)—1993 शल्य चिकित्सा हेतु अत्यरोपी आंशिक और सम्पूर्ण कूल्हा जोड़ प्रोस्थेसेस भाग 4 ऐंठन उपयोग सहित स्टेम वाली फीमोरल घटकों के सहायता गुणधर्मा का निर्धारण	—	1993-02-28
16.	आईएस : 13276 (भाग 3)—1993 संपूर्ण शरीर कम्पन मूल्यांकन भाग 3 0.1 हर्ट्ज से 0.63 हर्ट्ज रेंज आपूर्ति में सम्पूर्ण शरीर जेड-अक्ष ऊर्ध्वाधर कम्पन का मूल्यांकन	—	1993-09-30
17.	आईएस : 13342—1992—पावर आपूर्ति उपयोगों में प्रयोग की जाने वाली चुम्बकीय आक्साइड क्रोड का आयाम	—	1992-12-31
18.	आईएस : 13465 (भाग 2)—1992 विद्युत रोधनों में प्रयुक्त विलायक रहित बहुलकीय रेजनीय यौगिक भाग 2 परीक्षण विधि	—	1992-11-30
19.	आईएस : 13541 (भाग 1)—1993 अस्त्र और कारतूस—5.5 मिमी (22) एयर राइफल और एयर पिस्टल पैलेट भाग 1 सामान्य प्रयोजन	—	1993-03-30
20.	आईएस : 13584—1993 विद्युत मशीनरी हेतु बुश सामग्री—विशिष्टि	—	1993-03-30
21.	आईएस : 13603—1993 शीट पैलेट—विशिष्टि	—	1993-04-30
22.	आईएस : 13624—1993 जल-निर्मित तहमछट के नमूने लेने और विश्लेषण की विधियां	—	1993-04-30
23.	आईएस : 13630 (भाग 8)—1993 सिरमिक टाइल—परीक्षण विधियां भाग 8 रासायनिक प्रतिरोध का निर्धारण—ग्लेज चढ़े टाइल	—	1993-04-30
24.	आईएस : 13645 : 1993—चिनाई बांध के विपरीत धारा गुंटिंग मार्ग निर्देश	—	1993-02-28
25.	आईएस : 13646 : 1993—मोटरवाहन यांत्रिक प्रणाली—विद्युत टाइप दाब गेज—विशिष्ट	—	1993-02-28

(1)	(2)	(3)	(4)
26.	आईएस : 13650-1993—प्रोटीनीकृत खाद्य हेतु कांच के आयाम	—	1993-03-30
27.	आईएस : 13655—1993—डलवां लोहे के उष्मा उपचार के मार्ग-निर्देश	—	1993-03-30
28.	आईएस : 13656—1993 अन्तर दहन इंजन के क्रेंक केस तेल—विशिष्टि	—	1993-04-30
29.	आईएस : 13667—1993 इलैक्ट्रानिक और दूरसंचार उपयोगों हेतु चालक टिनसैल चालक—विशिष्टि	—	93-04-30
30.	आईएस 13676—1993—वात्य-भट्टी में लोहा बनाने हेतु क्वार्टज—विशिष्टि	—	93-04-30
31.	आईएस : 13680—1993—आयातित रेपसीड तेल—विशिष्टि	—	93-03-30.
32.	आईएस : 13681—1993—वस्त्रादि मशीनरी और सहायकाम—पटसन वेष्टन मशीन हेतु धागा गाइड—विशिष्टि	—	93-04-30
33.	आईएस : 13682—1993 वस्त्रादि मशीनरी और सहायंकाग—पटसन कताई फ्रेम हेतु बोबिन रेल पिन और प्लेट—विशिष्टि	—	93-03-30
34.	आईएस : 13683—1993—वस्त्रादि रिंगस्पन कोरा सूती धागा, सुपीरियर टाइप—विशिष्टि	—	93-04-30
35.	आईएस : 13685 (भाग 1)—1993 वल्क प्रहस्तन उपस्कर—जलपोत लोडर, रेल माउन्टेड, चयन हेतु आंकड़ा पत्र भाग 1 विक्रेता द्वारा आपूर्तित सूचना	—	93-02-28
36.	आईएस : 13691—1993—पतली सतह की कुल या प्रभावी मोटाई का निर्धारण—कठोरीकृत सतह	—	93-03-30
37.	आईएस : 13692—1993—मेटालक्सल मेनकोडेब डब्लूपी—विशिष्टि	—	93-02-28
38.	आईएस : 13693—1993—दुहरी रंगाई विधि द्वारा चावल के छिलका उतरे दाने का निर्धारण	—	93-03-30
39.	आईएस : 13694—1993—लौह और इस्पात उद्योग में आग से सुरक्षा—रीति संहिता	—	93-04-30

(1)	(2)	(3)	(4)
40.	आईएस : 13702—1993— पौलीप्रापिलीन ग्लाइकॉल खाद्य ग्रेड—विशिष्टि	—	93-04-30
41.	आईएस : 13704—1993—खाद्य ग्रेड वुड रोजिन (एस्टर गम) का ग्लाइकॉल एस्टर—विशिष्टि	—	93-04-30

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रिय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र.वि. 13 : 2]

एन. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 6th January, 1994

S.O. 334.—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987. The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	No. Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
1	2	3	4
1.	IS 7461 (Part 1) : 1993 General plan of boundary dimensions for tapered roller bearings Part 1single row bearing (Second Revision)	IS 7461 : 1974	93-05-30
2.	IS 7866 : 1993 Textiles—ring spun polyester blended grey yarn—specification (First Revision)	IS 7866 : 1975	93-04-30
3.	IS 8159 : 1993 Scales and sizes for plotting frequency characteristics and polar diagrams (First Revision)	IS 8159 : 1976	93-02-28
4.	IS 8367 : 1993 Tin Powder—specification (First Revision)	IS 8367 : 1977	93-02-28
5.	IS 8356 : 1993 Titanium dioxide, food grade—specification (First Revision)	IS 8356 : 1977	93-02-28

(1)	(2)	(3)	(4)
6.	IS 8572 : 1993 Paper-covered flexible/stranded copper conductors for transformer leads—specification (First Revision)	IS 8572 : 1977	93-04-30
7.	IS 9182 (Part 1) : 1993 Lubricants for wire ropes and fibre cores—specification Part 1 lubricants for fibre core of wire ropes (First Revision)	IS 9182 : 1979	93-03-30
8.	IS 9182 (Part 3) : 1993 Lubricants for wire ropes and fibre cores—specification Part 3 lubricants for rope dressing in service (First Revision)	IS 9182 : 1979	93-04-30
9.	IS 9299 (Part 3/Sec 7) : 1992 Insulating materials based on built-up mica or treated mica paper—specification Part 3 specification for individual materials Section 7 mica paper	IS 9299 : 1982	93-04-30
10.	IS 9742 : 1993 Sprayed mineral wool thermal insulation—specification (First Revision)	IS 9742 : 1981	93-02-28
11.	IS 10243 : 1993 2, 4-D Ethyl ester EC—specification (First Revision)	IS : 10243 : 1982	93-01-31
12.	IS 11081 : 1993 Agricultural tractors—half cage wheel—specification (First Revision)	IS 11081 : 1984	93-03-30
13.	IS 11293 (Part 2) : 1993 Guidelines for the design of grout curtains Part 2 masonry and concrete gravity dams		93-03-30
14.	IS 11723 (Part 1) : 1992 Mechanical vibration—balance quality requirements of rigid rotors Part 1 determination of permissible residual unbalance (First Revision)	IS 11723 : 1985	93-07-31
15.	IS 12375 (Part 4) : 1993 Implants for surgery—partial and total hip joint prostheses Part 4 determination of endurance properties of stemmed femoral components with application of torsion	—	93-02-28
16.	IS 13276 (Part 3) : 1993 Evaluation of human exposure to whole-body vibration Part 3 Evaluation of exposure to whole-body z-Axis vertical vibration in the frequency range 0.1 Hz to 0.63 Hz	—	93-09-30
17.	IS 13342 : 1992 Dimensions of magnetic oxide cores intended for use in power supply applications	—	92-12-31
18.	IS 13465 (Part 2) : 1992 Solventless polymerisable resinous compounds used for electrical insulation Part 2 methods of test	—	92-11-30
19.	IS 13541 (Part 1) : 1993 Arms and ammunition—5.5 mm (.22) Air rifle and air pistol pellets Part 1 General Purpose	—	93-03-30
20.	IS 13584 : 1993 Brush materials for electrical machinery—specification	—	

(1)	(2)	(3)	(4)
21.	IS 13608 : 1993 Sheet Pallets—specification	—	93-04-30
22.	IS 13624 : 1993 Methods of sampling and analysis of water formed deposits guidelines	—	93-04-30
23.	IS 13630 (Part 8) : 1993 Ceramic Tiles—Methods of Test Part 8 Determination of chemical resistance—glazed tiles	—	93-04-30
24.	IS 13645 : 1993 Guniting the upstream face of masonry dams—guidelines	—	93-02-28
25.	IS 13646 : 1993 Automotive vehicles—instrument systems-pressure gauges electrical type-specification	—	93-02-28
26.	IS 13650 : 1093 Glass containers for proteinized food	—	93-03-30
27.	IS : 13655 : 1993 Guidelines for heat treatment of cast iron	—	93-03-30
28.	IS 13656 : 1993 Internal combustion engine crankcase oils (Gasoline and diesel)—specification	—	93-04-30
29.	IS 13667 : 1993 Conductors for Electronics and telecommunication applications : Tinsel conductors specification	—	93-04-30
30.	IS 13676 : 1993 Quartzite for iron making in blast furnaces—specification	—	93-04-30
31.	IS 13680 : 1993 Imported rapeseed oil—specification	—	93-03-30
32.	IS 13681 : 1993 Textile machinery and accessories—thread guides for jute winding machines—specification	—	93-04-30
33.	IS 13682 : 1993 Textile machinery and accessories—bobbin rail pin and plate for jute spinning frame—specification	—	93-03-30
34.	IS 13683 : 1993 Textile—ring spun grey cotton yarn, superior type—specification	—	93-04-30
35.	IS 13685 (Part 1) : 1993 Bulk handling equipment—ship loader—rail mounted—data sheet for selection Part 1 Information to be supplied by purchaser	—	93-02-28
36.	IS 13691 : 1993 Steel—determination of total or effective thickness of thin surface-hardened layers	—	93-03-30
37.	IS 13692 : 1993 Metalaxyl Mancozeb WP-specification	—	93-02-28
38.	IS 13693 : 1993 Determination of dehusked grains in rice by double staining method	—	93-03-30
39.	IS 13694 : 1993 Fire safety in iron and steel industries—code of practice	—	93-04-30
40.	IS 13702 : 1993 Propylene glycol, food grade—specification	—	93-04-30
41.	IS 13704 : 1993 Glycerol esters of wood rosin (Ester gums), food grade—specification	—	93-04-30

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Calcutta, Chandigarh, Madras, Bombay and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneshwar, Coimbatore, Faridabad, Ghaziabad, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Lucknow, Patna, Thiruvananthapuram.

[No. CMD 13 : 2]

N. SRINIVASAN, Addl. Director Genera

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1993

का. आ. 335 :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, एतद्द्वारा भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण में इलैक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग पदों के वेतनमान में निम्नलिखित संशोधन और पदनाम में निम्नलिखित परिवर्तन करते हैं।

क्रम संख्या	वर्तमान पद का नाम और वेतनमान	पुनः पदनामित पद का नाम और वेतनमान
1	2	3
1.	कम्प्यूटर प्रोग्रामर 2200-75-2800-द. रो-100-4000 रु.	प्रोग्रामर, 2375-75-3200-द. रो.-100-3500 रु.
2.	कनिष्ठ सांख्यिकीय 1640-60-2600-द०रो. 75-2900 रु.	डाटा प्रोसेसिंग सहायक ग्रेड "ख" 2000-60-2300-द. रो.-75-3200 रु.
3.	सांख्यिकी सहायक, 1400-40-1800-द०रो० 50-2300 रु.	डाटा एंट्री आपरेटर ग्रेड "ग" 1400-40-1800-द०रो० 50-2300 रु.

2. वे सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

[सं. 2-42/90-एफ वाई (प्रशासन)]

ओ. पी. जैन, अवर सचिव

MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES

New Delhi, the 31st December, 1993

S.O. 335 .—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, of the President hereby makes the following revision in the pay scale and change of designation of Electronic Data Processing posts in Feshery Survey of India.

Sl. No.	Name of the existing post and pay scale	Name of the redesignated post and pay scale.
1.	Computer Programmer, Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/-	Programmer, Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500/-
2.	Junior Statistician, Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900/-	Data Processing Assistant Grade 'B' Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/-
3.	Statistical Assistant, Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300/-	Data Entry Operator Grade 'C', Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300/-

2. They shall come into force on the date of publication in the Official Gazette.

[No. 2-42/90-Fy (Admn).]

O.P. JAIN, Under Secy.

कोयला मंत्रालय

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1993

का.आ. 336.—भारत के राजपत्र भाग 2, खंड-3, उपखंड (II) में तारीख 12 जून, 1993 की पृष्ठ 1775 से 1784 पर प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 1296 तारीख 14 मई, 1993 में :—

पृष्ठ 1777 पर :—

(1) सीमा वर्णन में रेखा "च1—च" के स्थान पर पर "च2—क" पढ़िए।

(2) ग्राम छिंदा में अर्जित किये गये प्लाट संख्यांक में—"64 भाग" के स्थान पर "64" पढ़िए

पृष्ठ क्रमांक 1778 पर :—

(1) ग्राम पिंधारी में अर्जित किये गये प्लाट संख्यांक में "173 भाग, 173 भाग" के स्थान पर "173 भाग" पढ़िए।

(2) सीमा वर्णन में रेखा "छ—ज" में प्लाट संख्यांक "336" के स्थान पर "316" पढ़िए।

पृष्ठ क्रमांक 1779 पर :—

(1) ग्राम सिरमौरा में अर्जित किये गये प्लाट संख्यांक में—

(क) प्रथम पंक्ती में "16 भाग, 2 भाग" के स्थान पर "16 भाग—2 भाग" पढ़िए।

(ख) छठवें पंक्ति में "भाग, 457 भाग" के स्थान पर "456 भाग, 457 भाग" पढ़िए और "460/3 भाग, 460/4 भाग, 460/5 भाग, 460/6 के स्थान पर "460/3 भाग—460/4, भाग— 460/5 भाग 460/6 भाग" पढ़िए।

[सं. 43015/19/92—एल.एस. डब्ल्यू.]

बी.बी. राव, अवर सचिव

MINISTRY OF COAL

CORRIGENDUM

New Delhi, the 15th December, 1993

S.O. 336.— In the notificalon of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 1296 dated the 14th May, 1993, published at pages 1775 to 1784 of the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 12th June, 1993,—

(1) at page 1782, In Boundary description, for line heading "K-" read "K-L";

(2) at page 1784, in Boundary description, in line heading b-x for "V" read "X".

[No. 43015|19|92-LSW]

B. B. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1993

का. आ. 337—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है,

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. सी-1(ई.)III/एच आर/512—0492 तारीख 1 अप्रैल, 1992 का निरीक्षण वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड (राजस्व विभाग), कोयला एस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर-440001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कलक्टर, छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड, कोयला एस्टेट, सिविल लाइन्स, नागपुर-440001 को भेजेंगे।

अनुसूची

माटरी ब्लाक

कंहन क्षेत्र

जिला छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) रेखांक सं. सी-1 (ई) III/एच आर/512–0492

(पूर्वेक्षण के लिए अधिसूचित भूमि दर्शित करने वाला)

क्रम सं.	नाम ग्राम	पटवारी	वन–सर्किल सं.	संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर	टिप्पणियां
1.	मावरी	—	50	—	परासिया	छिंदवाड़ा	59.894	भाग
2.	घोथरी रेयतवारी	—	50	—	परासिया	छिंदवाड़ा	24.281	भाग
3.	रवारी	—	29	—	जुन्नारदेव	छिंदवाड़ा	0.971	भाग
4.	नकटिया	वन	29पी	15बी	जुन्नारदेव	छिंदवाड़ा	61.675	भाग
5.	—	दोमनपठार	—	15	जुन्नारदेव	छिंदवाड़ा	138.405	भाग
6.	—	समनबाराबरा	—	16 ए	जुन्नारदेव	छिंदवाड़ा	55.037	भाग
						कुल क्षेत्र	340.263 हैक्टर (लगभग) या 840.80 एकड़ (लगभग)	

सीमा वर्णन :

क–ख : रेखा, बिन्दु "क" से आरम्भ होती है और वन कक्ष संख्यांक 15 और 14 क की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ख' पर मिलती है।

ख–ग : रेखा, वन कक्ष संख्यांक 15 में से होकर जाती है और बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

ग–घ : रेखा, वन कक्ष संख्यांक 15 से होकर जाती है उसके बाद ग्राम घोघरी रैयतवारी में से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ–ङ : रेखा, ग्राम घोघरी रैयतवारी से होकर जाती है और उसके बाद ग्राम मावरी में से होकर जाती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।

ङ–च : रेखा, ग्राम मावरी से होकर जाती है और बिन्दु 'च' पर मिलती है।

च–छ : रेखा, कक्ष संख्यांक 15ख में होकर जाती है ग्राम नकटिया का संरक्षित वन, उसके बाद ग्राम खारी से होकर जाती है और आगे आरक्षित वन के कक्ष संख्या 15 और 16क में से होकर जाती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है।

छ–क : रेखा, आरक्षित वन के कक्ष संख्या 16 क और 15 से होकर जाती है और आरंभिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं. 43015/9/92–एल.एस.डब्ल्यू]

बी.बी. राव, अवर सचिव

New Delhi, the 27th December, 1993

S.O. 337 .—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The Plan bearing No. CI-(E)III(HR/512.0402 dated the 1st April, 1992 of the area covered by this notification can be inspected at the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department) Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra) or at the Office of the Collector, Chhindwara (Madhya Pradesh) or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act, to the Revenue Officer, Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

MAORI BLOCK

KANHAN AREA

DISTRICT CHHINDWARA (MADHYA PRADESH)

Plan No. C-I(E)III/HR/512-0492

(Showing lands notified for prospecting)

Sl. No.	Name of the Village	Name of the Forest	Patwarieir-cle number	Compart-ment number	Tashil	District	Area in hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	Maori	—	50	—	Parasia	Chhindwara	59.894	Part
2.	Ghogri Raytwari	—	50	—	Parasai	Chhindwara	24.281	Part
3.	Khari	—	29	—	Junnardeo	Chhindwara	0.971	Part
4.	Nakatia	Forest	29	P 15 B	Junnardeo	Chhindwara	61.675	Part

1	2	3	4	5	6	7	8	9
5.	—	Dobhan Pathar	—	15	Junnardeo	Chhindwara	138.405	Part
6.	—	Samwanwara Barra	—	16A	Junnardeo	Chhindwara	55.037	Part
					Total Area :		340.263 hectares (approxi-mately)	
						or	840.80 acres (approxi-mately)	

Boundary description :

A—B : Line starts from Point 'A' and passes along the common boundary of Forest compartment number 15 and 14 A and meets at point 'B'.

B—C : Line passes through Forest Compartment number 15 and meets at point 'C'.

C—D : Line passes through Forest Compartment number 15 then proceeds through village Ghogri Rayatwari and meets at point 'D'.

D—E : Line passes through village Ghogri Rayatwari then proceeds through village Maori and meets at point 'E'.

E—F : Line passes through village Maori and meets at point 'F'.

F—G : Line passes through compartment number 15B, protected forest of village Nakatia, then proceeds through village Khari and further proceeds through compartment numbers 15 and 16A of reserved forest and meets at point 'G'.

G—A : Line passes through compartment number 16A and 15 of reserved forest and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/9/92-LSW)]

B.B. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1993

का.आ. 338 .—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 6 अप्रैल, 1991 में प्रकाशित भारत सरकार के तत्कालीन ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 963, तारीख 22 मार्च, 1991 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में, जिसका माप 532.00 एकड़ (लगभग) या 215.297 हैक्टर (लगभग) है, खनिजों के खनन, खदान बोर करने, उनकी खुदाई करने और खनिजों को तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी,

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 532.00 एकड़ (लगभग) या 215.297 हैक्टर (लगभग) माप वाली भूमि में खनिज के खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई करने और खनिजों को तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाने चाहिएं।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित 532.00 एकड़ (लगभग या 215.297 हैक्टर (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों के खनन, खदान बोर करने, उनकी खुदाई करने और खनिजों को तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाते हैं ।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं० एस. आई. सी.एल./बी.एस.पी./जी.एम. (योजना)भूमि/98, तारीख, 26 सितम्बर, 1991 का निरीक्षण कलक्टर, सरगुजा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता के कार्यालय में या साउथ वेस्टर्न कोलफील्डस (राजस्व अनुभाग) सीपत रोड, बिलासपुर-495001 (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है ।

अनुसूची

सोनहार ब्लाक "ग"

बैकुण्ठपुर क्षेत्र

जिला—सरगुजा (मध्य प्रदेश)

खनन अधिकार

क्रम सं.	ग्राम का नाम	बन्दोबस्त संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र एकड़ में	टिप्पणियां
1.	कटघोरी	227	बैकुण्ठपुर	सरगुजा	532.00	भाग
				कुल	532.00 एकड़ (लगभग) या 215.297 हैक्टर (लगभग)	

ग्राम कटघोरी (भाग) में अर्जित किए गए प्लाट संख्यांक

399/43 (भाग), 399/44 (भाग), 399/45(भाग), 402/7 (भाग), 403 से 552, 553/1, 553/2 (भाग), 553/3, 554, 555/1, 555/2, 555/3, (भाग), 556से 569, 570(भाग), 571 (भाग), 572/1, (भाग), 572/2 (भाग), 572/3 (भाग), 572/4 (भाग), 572/5, (भाग), 572/(6) (भाग), 593(भाग), 594 (भाग), 631)भाग), 634, 655(भाग), 656(भाग), 658 (भाग), 660 से 677, 678 (भाग), 679(भाग), 680 (भाग), 681 (भाग), 702 (भाग), 703 से 732, 733/1, 733/2, 733/3, (भाग), 733/4, 734 (भाग), 735 (भाग), 737 (भाग), 739 (भाग), 740 (भाग), 741 से 744, 745 (भाग), 769 (भाग), 778 (भाग), 779 (भाग), 780 (भाग), 781 से 792, 793 (भाग), 794 (भाग), 795 (भाग); 797 (भाग) 800 (भाग), 801 से 807, 828/1,(भाग), 828/2, 828/3, 828/4, 828/5, 829/1, 829/2, 829/3, 829/4 (भाग), 829/8, (भाग), 829/12

सीमा वर्णन

क—ख : रेखा, आरक्षित वन और ग्राम करघोरी की सम्मिलित सीमा पर बिन्दु 'क' से आरम्भ होती है, इसके बाद ग्राम कटघोरी के प्लाट संख्यांक 399/43, 399/44, 399/45, 402/7, 570, 571, 572/1, 572 572/3, 572/4, 572/5, 593, 592/6, 555/3, 594, 553/2, 631, 655, 656, 658, 678, 679, 680, 681, 702, 745, 739, 740, 737 से होकर जाती है और बिन्दु 'ख' पर मिलती है।

ख—ग : रेखा ग्राम कटघोरी के प्लाट संख्यांक 737, 735, 734, 733/3, 733/2, 769, 779, 780, 779, 795, 793, 794, 797, 800, 828/1, 828/4, 829/8, 829/4 में से होकर जाती है और सरडी-कटघोर आरक्षित वन सीमा के साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है ।

ग—घ—क : रेखा, सरडी—कटघोरी आरक्षित वन सीमा की सम्मिलित सीमा साथ-साथ जाती है और आरम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[फा.सं. 43015/1/90 एस.एस. डब्ल्यू.]

बी. बी. राव, अवर सचिव

New Delhi, the 30th December, 1993

S.O. 338.—Whereas by the notification of the Government of India in the then Ministry of Energy (Department of Coal) number S.O. 963 dated the 22nd March, 1991, under sub-section (1) of the section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India dated the 6th April, 1991, the Central Government gave notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work and carry away the Minerals in the lands measuring 532.00 acres (approximately) or 215.297 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act, has made his report to the Central Government

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that the rights to mine, quarry, bore, dig, and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 532.00 acres (approximately) or 215.297 heactres (approximately) described in the Schedule appended hereto, should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win work and carry away minerals in the lands measuring 532.00 acres (approximately) or 215.297 hectares (approximately) described in the said Schedule are hereby acquired.

The plan bearing No. SECL/BSP/GM(Planning)/Land/98 dated 26th September, 1991 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Surguja (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1 Council House Street, Calcutta or in the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur-495001 (Madhya Pradesh).

SCHEDULE

SONHAT BLOCK 'C'

BAIKUNTHPUR AREA

DISTRICT-SURGUJA (MADHYA PRADESH)

Mining Rights

Sl. No.	Name of Village	Bandobast Number	Tahsil	District	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
1.	Katghori	227	Baikunthpur	Surguja	532.00	Part
			Total :		532.00 acres (approximately) or 215.297 hectares (approximately)	

Plot numbers acquired in village Katghori (part).

399/43(part), 399/44(part), 399/45 (part), 402/7(part), 403 to 552, 553/1, 553/2(part), 553/3, 554, 555/1, 555/2, 555/3 (part), 556 to 569, 570(part)), 571(part), 572/1(part), 572/2(part), 572/3(part), 572/4 (part) 572/5(part), 572/6 (part), 593 (part), 594 (part), 631 (part), 634, 655 (part), 656(part), 558(part), 660 to 677, 678(part), 679(part), 680 (part), 681 (part),702(part), 703 to732, 733/1, 733/2(part), 733/3(part), 733/4,734(part), 635(part), 737(part), 739(part) 740(part), 741 to 744, 745(part), 769(part), 778(part), 779(part), 780(part), 781 to 792, 793(part), 794(part,) 795(part) 797(part), 800(part), 801 to 827, 828/1(part), (828/2, 828/3, 828/4, 828/5, 829/1, 829/2, 829/3, 829/4(part), 829/8(part), 829/12(part)

Boundary Description :

A—B Line starts from point 'A' on the common boundary of Reserved Forest and Katghori village then passes through plot numbers 399/43, 399/44, 399/45, 402/7, 570, 571, 572/1, 572/2, 572/3, 572/4, 572/5, 593, 572/6, 555/3, 594, 553/2, 631, 655, 656, 658, 678, 679, 680, 681 702, 745, 739, 740, 737 of village Katghori and meets at point 'B'.

B—C Line passes in village Katghori thorugh plot numbers 737, 735, 734, 733/3, 733/2, 769, 779, 780, 779, 795, 793, 794, 797, 800, 828/1, 828/4, 829/8, 829/4 and meets at Sardi-Katghori Reserved Forest boundary at point 'C'.

C—D—A Line peases along the common boundary of Sardi Katghori Reserved Forest boundary and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/1/90-LSW]

B.B. RAO, Under Secy.

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1994

का.आ. 339.—केन्द्रीय सरकार, कोयला खान भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 3ग की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा श्री नरेन्द्र भगत, को उक्त उपधारा के प्रयोजनार्थ दिनांक 1-5-1993 से अगले आदेश जारी होने तक, कोयला खान भविष्य निधि संगठन में कोयला खान भविष्य निधि आयुक्त के रूप में में नियुक्त करती है।

[सं. 20/29/92-ए.एस.ओ.]

पी.के.जी. नायर, अवर सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 13th January, 1994

S.O. 339.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3C of the Coal Mines Provdient Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri Narendra Bhagat, as the Coal Mines Provident Fund Commissioner in Coal Mines Provident Fund Organisation with effect from 1-5-1993 until further orders, for the purposes of the said Sub-section.

[No. 20|29|92-ASO]

P. K. G. NAIR, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1994

का.आ. 340.—कोयला खान भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 9 की उपधारा (2) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री नरेन्द्र भगत, कोयला खान भविष्य निधि आयुक्त, धनबाद को 1 मई, 1993 से उक्त उपधारा के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी के रूप में विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. 20/29/92-ए.एस.ओ.]

पी.के.जी. नायर, अवर सचिव

New Delhi, the 13th January, 1994

S.O. 340.—In pursuance of sub-section (2) of section 9 of the Coal Mines Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948, (46 of 1948), the Central Government hereby specifies Shri Narendra Bhagat, the Coal Mines Provident Fund Commissioner, Dhanbad, as the authority with effect from the 1st May, 1993, for the purposes of the said sub-section.

[No. 20|29|92-ASO]

P. K. G. NAIR, Under Secy.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1994

का.आ. 341.— केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजन के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) के अंतर्गत निम्नलिखित केन्द्रीय विद्यालयों को जिनमें 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. केन्द्रीय विद्यालय,
दामोदर घाटी निगम,
मैथन डैम,
जिला—धनवाद (बिहार)
2. केन्द्रीय विद्यालय,
मेस कैम्प, हजारी बाग,
बिहार।
3. केन्द्रीय विद्यालय,
खगोल,
पटना।
4. केन्द्रीय विद्यालय,
गुरदा, घाटशिला,
बिहार।
5. केन्द्रीय विद्यालय,
पालुवास,
भिवानी।
6. केन्द्रीय विद्यालय,
बांडीपुर,
जम्मू एवं कश्मीर।
7. केन्द्रीय विद्यालय,
अलीगंज,
लखनऊ (उ. प्र.)
8. केन्द्रीय विद्यालय,
धाना, जिला—सागर,
मध्य प्रदेश।
9. केन्द्रीय विद्यालय,
दिबियापुर, इटावा,
इटावा (उ. प्र.)
10. केन्द्रीय विद्यालय नं. 2,
ओ.ई.एफ.,
कानपुर (उ.प्र.)
11. केन्द्रीय विद्यालय,
काशीपुर, नैनीताल,
(उ. प्र.)
12. केन्द्रीय विद्यालय,
लखनपुर, कठुआ,
जम्मू एवं कश्मीर।
13. केन्द्रीय विद्यालय,
तुलसी मार्ग,
झांसी कैन्ट।
14. केन्द्रीय विद्यालय,
सैनिक विहार,
दिल्ली।

15. केन्द्रीय विद्यालय,
नेहगम कुपवाड़ा,
कश्मीर

16. केन्द्रीय विद्यालय,
गोमी, जिला धनबाद,
बिहार

17. केन्द्रीय विद्यालय नं. 2,
नव विमन पतन,
श्रीननेर

18. केन्द्रीय विद्यालय नं. 1,
चकेरी, कानपुर,
(उ. प्र.)

19. केन्द्रीय विद्यालय नं. 1,
हिण्डन, गाजियाबाद,
(उ. प्र.)

20. केन्द्रीय विद्यालय,
उत्तर लाई, बाजोर,
राजस्थान

21. केन्द्रीय विद्यालय नं. 1,
कटनी, आयुध निर्माणी,
मध्य प्रदेश

22. केन्द्रीय विद्यालय,
मुरादाबादा,
(उत्तर प्रदेश)

23. केन्द्रीय विद्यालय,
आबू पर्वत,
राजस्थान

24. केन्द्रीय विद्यालय,
कमला नेहरू नगर,
गाजियाबाद

25. केन्द्रीय विद्यालय,
सी.आर.पी.एफ.,
रामपुर (उ.प्र.)

26. केन्द्रीय विद्यालय,
जे.आर.सी.,
बरेली (उ. प्र.)

27. केन्द्रीय विद्यालय,
मैदा मिल के सामने,
भोपाल

28. केन्द्रीय विद्यालय,
बचेली, बस्तर,
मध्य प्रदेश

29. केन्द्रीय विद्यालय,
सी.सी.आई. अकलतारा,
बिलासपुर (मध्य प्रदेश)

30. केन्द्रीय विद्यालय,
डोगरा लाइन्स,
मेरठ कैन्ट
(उत्तर प्रदेश)

31. केन्द्रीय विद्यालय,
रघुनाथपुरा, नारनौल,
हरियाणा

32. केन्द्रीय विद्यालय,
यलहंका, बेंगलूर

33. केन्द्रीय विद्यालय नं. 1
ताम्बरम,
मद्रास

34. केन्द्रीय विद्यालय नं. 2
ताम्बरम,
मद्रास

35. केन्द्रीय विद्यालय,
नेपा, जडापानी,
मेघालय

36. केन्द्रीय विद्यालय,
अरुवनकाडु,
मद्रास

37. केन्द्रीय विद्यालय नं. 1,
फिरोजपुर छावनी,
पंजाब

38. केन्द्रीय विद्यालय,
आर्मी एरिया, पुणे,
महाराष्ट्र

39. केन्द्रीय विद्यालय,
गुरदासपुर कैन्ट,
पंजाब

40. केन्द्रीय विद्यालय नं. 3,
इटारसी,
मध्य प्रदेश

41. केन्द्रीय विद्यालय नं. 3,
जालंधर केन्ट,
पंजाब

42. केन्द्रीय विद्यालय,
इच्छानाथ मंदिर के पास,
सूरत

43. केन्द्रीय विद्यालय नं. 1,
अगरतल्ला,
त्रिपुरा

44. केन्द्रीय विद्यालय,
एस.जी.पी.जी.आई.,
रायबरेली रोड,
लखनऊ-226014

45. केन्द्रीय विद्यालय,
नया टिहरी नगर,
टिहरी, गढ़वाल,
(उत्तर प्रदेश)

46. केन्द्रीय विद्यालय,
बांसवाड़ा,
राजस्थान

47. केन्द्रीय विद्यालय,
लखनऊ कैन्ट,
लखनऊ

48. केन्द्रीय विद्यालय,
एन.टी.पी.सी. रिहन्दनगर,
मिर्जापुर (उ.प्र.)

49. केन्द्रीय विद्यालय,
अनूपगढ़,
राजस्थान

50. केन्द्रीय विद्यालय,
फैजाबाद कैन्ट,
(उत्तर प्रदेश)

51. केन्द्रीय विद्यालय,
आयुध निर्माणी, मुरादनगर,
गाजियाबाद (उ.प्र.)

52. केन्द्रीय विद्यालय,
बुलन्दशहर,
(उ. प्र.)

53. केन्द्रीय विद्यालय,
कोटा नं. 2, स्टेशन रोड,
राजस्थान

54. केन्द्रीय विद्यालय,
भूली टाउनशिप,
धनबाद, बिहार

55. केन्द्रीय विद्यालय,
बबीना कैन्ट,
(उ. प्र.)

56. केन्द्रीय विद्यालय,
उन्नाव,
(उत्तर प्रदेश)

57. केन्द्रीय विद्यालय
आलीपा कैन्ट,
बाडमेर, राजस्थान

58. केन्द्रीय विद्यालय,
कटिहार,
बिहार

59. केंद्रीय विद्यालय, नं. 1,
खेतड़ी नगर,
जिला—झुंझणूं,
राजस्थान

60. केन्द्रीय विद्यालय नं. 2,
ओ.एन.जी.सी.,
अगरतला

61. केन्द्रीय विद्यालय,
सदर्न क्लांड,
पुणे

62. केन्द्रीय विद्यालय,
एम.आर.आर.सी.,
अहमदनगर

63. केन्द्रीय विद्यालय नं. 2,
आकाश नगर (ए.एफ.एस.),
पुणे

64. केन्द्रीय विद्यालय नं. 1,
कुलाबा, नेवीनगर,
बम्बई

65. केन्द्रीय विद्यालय,
सी.जी.एस.कालोनी,
काने नगर, अन्टाप हिल,
बम्बई

66. केन्द्रीय विद्यालय, नं. 3,
वायु-सेना—म, उद्योग नगर,
जामनगर, गुजरात

67. केन्द्रीय विद्यालय,
बलभ विद्यानगर,
गुजरात

68. केन्द्रीय विद्यालय,
नंगलभूर, गुरदासपुर,
पंजाब

69. केन्द्रीय विद्यालय, नं. 2,
फिरोजपुर छावनी,
पंजाब

70. केन्द्रीय विद्यालय,
सी.वी.नं. 4,
कटक, उड़ीसा

71. केन्द्रीय विद्यालय,
लांगजिंग, इम्फाल,
मणिपुर

72. केन्द्रीय विद्यालय,
सताखा, नागालैंड।

[सं० 11011-2/92-रा०भा०ए०]

ओम प्रकाश चावला, निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Education)

New Delhi, the 11th January, 1994

S.O. 341.—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purpose of the Union) Rules, 1976, the Central Govt. hereby notifies the following Kendriya Vidyalayas under the Ministry of Human

Resource Development (Department of Education) more than 80 per cent Staff of which has working knowledge of Hindi :—

1. Kendriya Vidyalaya,
   Damodar Vallely Corporation
   Maithan Dam,
   Distt. Dhanbad (Bihar).
2. Kendriya Vidyalaya.
   Mess Camp, Hazaribagh,
   Bihar.
3. K endriya Vidyalaya.
   Khagoul,
   Patna.
4. Kendriya Vidyalaya,
   Surda, Ghatshila,
   Bihar.
5. Kendriya Vidyalaya,
   Paluwas,
   Bhiwani
6. Kendriya Vidyalaya,
   Bandipur,
   J. & K.
7. Kendriya Vidyalaya,
   Aliganj,
   Lucknow (U.P.)
8. Kendriya Vidyalaya,
   Dhanna, Distt. Sagar,
   (M.P.)
9. Kendriya Vidyalaya
   Dibiyapur, Etawah.
   Etawah (U.P.)
10. Kendriya Vidyalaya No. 2.
    O.E.F.
    Kanpur (U.P.)
11. Kendriya Vidyalaya,
    Kashipur Nainital,
    (U.P.)
12. Kendriya Vidyalaya,
    Lakhanpur, Kathuwa.
    J. & K.
13. Kendriya Vidyalaya,
    Tulsi Marg,
    Jhansi Cantt.
14. Kendriya Vidyalaya.
    Sainik Vihar,
    Delhi.
15. Kendriya Vidyalaya,
    Nehgum Kupwada,
    Kashmir.
16. Kendriya Vidyalaya,
    Gomoh, Distt. Dhanbad,
    Bihar.
17. Kendriya Vidyalaya No. 2,
    Naw Viman Patan,
    Shrinagar.
18. Kendriya Vidyalaya No. 1,
    Chakeri, Kanpur,
    (U.P.)
19. Kendriya Vidyalaya No. 1,
    Hindan, Ghaziabad,
    (U.P.)
20. Kendriya Vidyalaya,
    Uttar Lai. Badmer,
    Rajasthan.
21. Kendriya Vidyalaya No. 1,
    Katni, Ordanace Factory,
    (M.P.)
22. Kendriya Vidyalaya.
    Moradabad,
    (U.P.)
23. Kendriya Vidyalaya,
    Abu Parwat,
    Rajasthan.
24. Kendriya Vidyalaya.
    Kamla Nehru Nagar,
    Ghaziabad.
25. Kendriya Vidyalaya,
    C.R.P.F.
    Rampur (U.P.).
26. Kendriya Vidyalaya,
    J.R.C.
    Bareli (U.P.)
27. Kendriya Vidyalaya,
    Opp. Maida Floor,
    Bhopal.
28. Kendriya Vidyalaya,
    Bacheli, Baster,
    (M.P.)
29. Kendriya Vidyalaya,
    C.C.L.. Akaltara.
    Bilaspur (M.P.)
30. Kendriya Vidyalaya,
    Dogra Lines.
    Meerut Cantt.
    (U.P.)
31. Kendriya Vidyalaya,
    Raghunathapura, Narnool,
    Hariyana.
32. Kendriya Vidyalaya,
    Yalhanka,
    Banglore.
33. Kendriya Vidyalaya No. 3,
    Jullundhar Cantt.
    Punjab.
34. Kendriya Vidyalaya No. 1,
    Themkaram
    Madras.
35. Kendriya Vidyalaya No. 2,
    Thambaram,
    Madras.
36. Kendriya Vidyalaya,
    Nepa, Badapani,
    Meghalaya.
37. Kendriya Vidyalaya,
    Aruwankadu,
    Madras.
38. Kendriya Vidyalaya, No. 1,
    FerojurCantt.
    Punjab.
39. Kendriya Vidyalaya,
    Army Area Pune.
    Maharashtra.
40. Kndriya Vidyalaya,
    Gurdaspur Cantt.
    Punjab.
41. Kendriya Vidyalaya No. 3,
    Itarasi,
    (M.P.)
42. Kendriya Vidyalaya,
    Near Echhanath Temple,
    Surat.
43. Kendriya Vidyalaya No. 1,
    Agartala,
    Treepura.
44. Kendriya Vidyalaya,
    S.G.P.G.I..
    Raibareli Road,
    Lucknow-226014.
45. Kendriya Vidyalaya,
    New Tehri Nagar,
    Tehri, Garwal (U.P.)
46. Kendriya Vidyalaya.
    Banswada,
    Rajasthan.
47. Kendriya Vidyalaya,
    Lucknow Cantt.
    Lucknow.

48. Kendriya Vidyalaya,
N.T.P.C. Rihand Nagar,
Mirzapur (U.P.)

49. Kendriya Vidyalaya,
Anoop Garh,
Rajasthan.

50. Kendriya Vidyalaya,
Faizabad Cantt.
(U.P.)

51. Kendriya Vidyalaya,
Ordnancve Factory,
Mursad Nagar,
Ghaziabad (U.P.)

52. Kendriya Vidyalaya,
Bulandshahar,
(U.P.)

53. Kendriya Vidyalaya,
Kota No. 2, Station Rd.
Rajasthan.

54. Kendriya Vidyalaya,
Bhuli Township.
Dhanbad (Bihar).

55. Kendriya Vidyalaya,
Babeena Cantt.
(U.P.)

56. Kendriya Vidyalaya,
Unnao,
(U.P.)

57. Kendriya Vidyalaya,
Jalipa Cantt.
Badmer,
Rajasthan.

58. Kendriya Vidyalaya,
Katihar.
(Bihar).

59. Kendriya Vidyalaya,
Khetri Nagar,
Distt. Jhunjhunu,
Rajasthan.

60. KendriyaVidyalaya No. 2,
O.N.G.C.,
Agartala.

61. Kendriya Vidyalaya,
Southern Command,
Pune.

62. Kendriya Vidyalaya,
M.R.R.C.
Ahamdabad.

63. Kendriya Vidyalaya,
Akash Nagar (A.F.S.).
Pune.

64. Kendriya Vidyalaya No. 1,
Kolaba, Nevi Nagar,
Bombay.

65. Kendriya Vidyalaya,
C.G.S. Colony, Kane Nagar,
Antap Hill,
Bombay.

66. Kendriya Vidyalaya No. 3,
Air Force II, Udyog Nagar,
Jam Nagar, Gujarat.

67. Kendriya Vidyalaya,
Vallabh Vidya Nagar,
Gujrat.

68. Kendriya Vidyalaya,
Nangalmoor, Gurdaspur,
Punjab.

69. Kendriya Vidyalaya,
Ferojpur Cantt.
Punjab.

70. Kendriya Vidyalaya,
C.V. No. 4,
Cuttuk,
Orissa.

71. Kendriya Vidyalaya,
Longjig, Imphal,
Manipur.

72. Kendriya Vidyalaya,
Satakha,
Nagaland.

[No. 11011-2/92-OLU]
O. P. CHAWLA, Director (O.L.)

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का. आ. 342:—केन्द्रीय सरकार, बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1984 (1984 का 51) की धारा 99 की उपधारा (2) के खंड (क) के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इंडियन फारमर्स कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको) को वर्ष 1992-93 में उसे हुए अपने शुद्ध लाभ में से 20.00 लाख रुपए (बीस लाख रुपए) भूकंप से प्रभावित महाराष्ट्र के लोगों के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष में दान देने के लिए, बहुराज्य सहकारी सोसाइटी (विशेषाधिकार, संपत्ति और निधियों, लेखा, लेखापरीक्षा, परिसमापन तथा डिक्रियां, आदेशों और विनिश्चयों का निष्पादन) नियम, 1985 के नियम 5 के खंड (ग) के उपबंधों से छूट देती है।

[सं. आर-11017/7/91-एल. एण्ड एम.]
भगत सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 342.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (i) of clause (a) of sub section (2) of section 99 of the Multi-State Cooperative Societies Act, 1984 (No 51 of 1984), the Central Government hereby exempts Indian Farmers Fertilizers Cooperative Ltd. (IFFCO) from the provisions of clause (c) of rule 5 of the Multi-State Co-operative Societies (Privileges, Properties and Funds, Accounts, Audit, Winding Up and Execution of Decrees, Orders and Decisions) Rules, 1985 to donate Rs. 20.00 lakhs (Twenty lacs rupees) out of its net profit in the year 1992-93 to the Prime Minister's Relief Fund for the people of Maharashtra tra affected by earth-quake.

[No. R-11017/7/91-L&M]
BHAGAT SINGH, Jt. Secy.

नोटिस

नई दिल्ली, 17 जून, 1993

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम, 1965 के नियम 5 (1) के अंतर्गत सेवाकाल समाप्ति संबंधी नोटिस

का.आ. 343:—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम 5—उपनियम (1) के अंतर्गत में, पि. सुधीरकुमार, लेखा नियंत्रक कृषि एवं सहकारिता मंत्रालय, श्री रंजन कुमार गुप्ता, लेखाकार को सूचित करता हूं कि

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से सही एक माह उपरांत उनकी सेवाएं समाप्त समझी जाएंगी।

[संख्या सी-14019(15)/92-समन्वय/1007]

पि. सुधीर कुमार, लेखा नियंत्रक

NOTICE

New Delhi, the 17th June, 1993

Notice of termination of service issued under Rule 5(1) of the General Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965

S.O. 343.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service Rules), 1965, I, P. Sudhir Kumar, Controller of Accounts hereby give notice to Shri Ranjan Kumar Gupta that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or, as the case may be, tendered to him.

[No. C-14019(15)/92-Coord. 1007]

P. SUDHIR KUMAR, Controller of Accounts

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1994

का. आ. 344 :—यतः वन्डरबिल्ट यूनिवर्सिटी स्कूल आफ मेडिसिन, यू. एस. ए. द्वारा प्रदत्त एम. डी. अर्हता भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजन के लिए एक मान्यता प्राप्त अर्हता है।

और यतः डा. रेबेका ए. नेलोर, जिसके पास उक्त अर्हता है, इस समय धर्मार्थ कार्य के लिए बेंगलूर बेप्टिस्ट अस्ताल, बेंगलूर से संबद्ध है।

अतः अब केन्द्र सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के उपबंध के खण्ड (1) के अनुसरण में एतद्द्वारा विनिर्दिष्ट करती है।

(1) 23 अक्तूबर, 1994 को समाप्त अवधि, अथवा

(2) वह अवधि जिसके दौरान डा. रेबेका एं. नेलोर बेंगलूर बेप्टिस्ट अस्पताल,

बेंगलूर से संबद्ध रहते हैं, जो भी इनमें कम हो, क्योंकि उस दौरान इस डाक्टर द्वारा प्रैक्टिस करने पर पाबंदी रहेगी।

[संख्या वी. 11016/10/93-एम ई (यू जी)]

एस. के. शाही, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 3rd January, 1994

S.O. 344.—Whereas medical qualification M. D. granted by Vanderbilt University School of Medicine, USA is a recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956).

And whereas Dr. Rebakah A Naylor who possesses the said qualification is at present attached to Bangalore Baptist Hospital, Bangalore for charitable work ;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the provisions to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies;

(1) the period ending 23rd October, 1944, or

(2) the period during which Dr. Rebakah A. Naylor is attached to Bangalore Baptist Hospital, Bangalore whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the said doctor shall be limited.

[No. V. 11016/10/93-ME(UG)]

S. K. SHAHI, Desk Officer

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1994

का. आ. 345 :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय का भारत के राजपत्र तारीख 16 जनवरी, 1960 में प्रकाशित अधिसूचना का. आ. सं. 138 तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा 1 के खंड (ख)" के अधीन निर्वाचित शीर्षक के नीचे क्रम संख्यांक 15 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"15 डा. ए. सी. पटावरी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय,"

चिकित्सा शिक्षा के सेवा-
निवृत्त निदेशक,
असम, मानिक नगर,
आर. जी. बरुआ रोड,
गुवाहाटी-781005

[संख्या वी. 11013/6/93-एम ई (यू जी)]

एस. के. शाही, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th January, 1994

S.O. 345.—In pursuance of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Health, published vide S.O. 138, dated the 9th January, 1960, in the Gazette of India dated the 16th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for serial number 15 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

"15 Dr. A. C. Patowary, Guwahati University"
Retired Director of Medical
Education, Assam, Manik Nagar,
R. G. Barua Road,
Guwahati-781005.

[No. V 11013/6/93-ME(UG)]

S K SHAHI, Desk Officer

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का. आ. 346.—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के भाग—2 के खंड (क) (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार के एतद्द्वारा नीचे दी गई अनुसूची के कालम 1 में उल्लिखित किए अनुसार उक्त अधिनियम के अधीन "सक्षम प्राधिकारी" के रूप में कालम-3 में दी गई हदराजों के अनुसार उल्लिखित क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

अनुसूची

व्यक्ति का नाम	पता	अधिकारी क्षेत्र
श्री एस. सी. श्रीवास्तव (सब डिविजन मजिस्ट्रेट) सक्षम प्राधिकारी, गैल, नोएडा	गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड, ए-14 पी डी आई एल बिल्डिंग, सैक्टर-1 नोएडा-201301	उत्तर प्रदेश राज्य

[संख्या एल-14016/17/93-जी. पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 346.—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisitio n to Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby authorise the person mentioned in Column 1 of Schedule below to perform the function of the "Competent Authority" under the said Act within the areas mentioned in the corresponding entry in column 3 of the said Schedule.

SCHEDULE

Name of Person	Address	Territorial Jurisdiction
1	2	3
Shri S.C. Srivastava (SDM) Competent Authority, GAIL, NOIDA.	Gas Authority of India Ltd., A-14, PDIL Bldg., Sector-1, Noida-201301.	State of U.P.

[No. L-14016/17/93-G.P.]

ARDHENDU SEN, Directo.

(प्राकृतिक गैस विभाग)

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.आ. 347.—यतः, केन्द्र सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य, जिला रायगढ़ में मोजे आर.सी.एफ. थल, तहसील अलिबाग से मोजे धरमतर, तहसील पेणा तक नैसर्गिक गैस परिवहन के लिए पाईपलाइन मैसर्स गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम), 16, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली 110066 द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग) के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962, (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम अधिकारी, गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड, 107 होटल बिगस्प्लेश, अलिबाग के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर दर्ज करा सकेगा।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत स्वरूप में हो अथवा किसी विधि व्यवसायक के माध्यम से हो।

अनुसूची

आर.सी.एफ. थल—धरमतर गैस पाइप लाइन परियोजना

राज्य : महाराष्ट्र जिला : रायगढ़ तहसील : अलिबाग

गांव	सर्वे नम्बर	हिस्सा नम्बर	गट नम्बर	क्षेत्रफल		
				हैक्टर	आर.	सेन्टीआर
बहिरोले	—	—	205 भाग	00	03—	—20

[सं. एल.-14016/06/93/जी पी]
अर्धेन्दु सेन, निदेशक

(Department of Petroleum & Natural Gas)

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 347.—Whereas it appears to the Central Govt., that it is necessary in the public interest that for the transport of Natural Gas from RCF Thal Tehsil-Alibag, District Raigad to Dharamtar (NDII) Tehsil Pen, District Raigad in the State of Maharashtra a Pipe-line should be laid by the Gas Authority of India Ltd., 16, Bhikaji Cama Place, R. K. Puram, Ring Road, New Delhi-110066.

And whereas it appears to the Central Govt. that for the purpose of laying such pipe line it is necessary to acquire the Right of User in the lands described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Lands) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the Right of User in the lands referred therein the Schedule :

Provided that any person interested in the said lands having any objection for laying the pipelines through the said lands may prefer any objection within 21 days from the date of Notification to the Competent Authority Gas Authority of India Ltd., Thal Dharamtar Gas Pipe-line Project, Hotel Big Splash, Room No. 107, Alibag At & Post Tehsil Alibag, District Raigad, Maharashtra State.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SHCEDULE

THAL—DHARAMTAR GAS PIPE LINE PROJECT

STATE : MAHARASHTRA DISTRICT : RAIGAD TEHASIL : ALIBAG

Village	Survey Number	Hissa Number	Gut Number	Area		
				Hector	Area	C Are
1	2	3	4	5	6	7 8
Bahirole	—	—	205 Part	00	—	03 —20

[No. L-14016/06/93/GP]
ARDHENDU SEN, Director

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी

का. आ. 348:—भारत सरकार के राजपत्र भाग—II, खंड—3, उपखंड—II से प्रकाशित हुई नीचे दिए हुए अधिसूचनाओं में नीचे दिए हुये तक्ते अनुसार पढ़िये ।

क्र. सं.	ग्राम	राजपत्र दिनांक	पन्ना क्रमांक	का. आ. क्रमांक और दिनांक	अधिसूचना का कालम	पढ़िये		के स्थान पर	
						सर्वे क्रमांक	क्षेत्र हे. आर. से. आर.	सर्वे क्रमांक	क्षेत्र हे. आर. से. आर.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	बहिरोले	5-10-93	09	का. आ. 753इ	3 (I)	241 भाग	00—02—70	241 भाग	00—03—70
2.	"	"	"	"	"	240 भाग	00—13—50	240 भाग	00—07—40
3.	"	"	"	"	"	238 भाग	00—06—70	238 भाग	00—11—78
4.	"	"	"	"	"	228 भाग	00—06—70	228 भाग	00—05—48
5.	"	"	"	"	"	230 भाग	00—03—20	230 भाग	00—12—78
6.	"	"	"	"	"	229 भाग	00—11—20	229 भाग	00—01—80
7.	"	"	"	"	"	नाला	00—04—00	नाला	00—02—20
8.	"	"	"	"	"	198क भाग	00—07—50	198 क भाग	00—07—30
9.	"	"	"	"	"	202 भाग	00—00—40	202 भाग	00—00—20
10.	"	"	"	"	"	201 भाग	00—05—50	201 भाग	00—04—97
11.	"	"	"	"	"	200 भाग	00—02—10	200 भाग	00—03—50
12.	"	"	"	"	"	204 भाग	00—06—00	204 भाग	00—05—54

[सं. एल—14016/06/93 जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 348:—The Partial modification to the Notification Published under Petroleum & Mineral Pipe Line Act, 1962 in the Govt. of India's Gazette as shown below (Part-II, Section-3, Sub-Section-ii) be read as per following table.

TABLE

S. No.	Village	Page Number	Gazette Date	S.O. No. and Date	Notification under section
1	2	3	4	5	6
1.	Bahirole	09	5-10-93	S.O. 753 E	3 (i)
2.	,,	,,	,,	,,	,,
3.	,,	,,	,,	,,	,,
4.	,,	,,	,,	,,	,,
5.	,,	,,	,,	,,	,,
6.	,,	,,	,,	,,	,,
7.	,,	,,	,,	,,	,,
8.	,,	,,	,,	,,	,,
9.	,,	,,	,,	,,	,,
10.	,,	,,	,,	,,	,,
11.	,,	,,	,,	,,	,,
12.	,,	,,	,,	,,	,,

Read				In Place of			
S. No.	H.	Are	C. Are	S. No.	H.	Are	C. Are
7		8		9		10	
241 Part	00	02	70	241 Part	00	03	70
240 Part	00	13	50	240 Part	00	07	40
238 Part	00	06	70	238 Part	00	11	78
228 Part	00	06	70	228 Part	00	05	48
230 Part	00	03	20	230 Part	00	12	78
229 Part	00	11	20	229 Part	00	01	00
NALA	00	04	00	NALA	00	02	20
198 C Part	00	07	50	198 C Part	00	07	30
202 Part	00	00	40	202 Part	00	00	20
201 Part	00	05	50	201 Part	00	04	97
200 Part	00	02	10	200 Part	00	03	50
204 Part	00	06	00	204 Part	00	05	54

[No. L-14016/06/93-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director.

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.आ. 349.— यतः केन्द्र सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य, जिला रायगढ़ में मौजे आर.सी.एफ.थल, तहसील अलिबाग से मौजे धरमतर, तहसील पेण तक नैसर्गिक गैस परिवहन के लिए पाइपलाइन मैसर्स गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम), 16, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली–110066 द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम अधिकारी, गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड, 107 होटल बिग सप्लेश अलिबाग के समक्ष अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर दर्ज करा सकेगा ।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि वह चाहता है कि क्या उसकी सुनवाई व्यक्तिगत स्वरूप में हो अथवा किसी विधि व्यवसायक के माध्यम से हो।

अनुसूची

आर.सी.एफ. थल—धरमतर गैस पाइप लाइन परियोजना

राज्य : महाराष्ट्र जिला : रायगढ़ तहसील : अलीबाग

गांव	सर्वे नं.	हिस्सा नम्बर	गट नम्बर	क्षेत्रफल		
				हैक्टार	आर.	सेन्टीआर
शाहाबाज	185	1 भाग	—	00	40	30
	185	2 भाग	—	00	01	60
			एकूण	00	05	90

[सं. एल- 14016/06/93–जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 349.—Whereas it appears to the Central Govt., that it is necessary in the public interest that for the transport of Natural Gas from RCF Thal Tahsil-Alibag, District Raigad to Dharamtar (NDIL) Tahsil Pen, District Raigad in the State of Maharashtra a Pipe-line should be laid by the Gas Authority of India Ltd., 16, Bhikaji Cama Place. R. K. Puram, Ring Road, New Delhi 110066.

And whereas it appears to the Central Govt. that for the purpose of laying such pipe line it is necessary to acquire the Right of User in the lands described in the Scredule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (i) of Section 3 of the Petroleum nd Minerals Pipe-lines (Acquisition of Right of User in the Lands) Act 1962 (50 of 1962) the Central Govt. hereby declares its intention to acquire tre Right of User in the lands referred there in the Schedule;

Provided that any person interested in the said lands having any objection for laying the pipe-lines through the said lands may prefer any objection within 21 days from the date of Notification to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Thal-Dharamtar Gas Pipe-line Project, Hotel Big Splash, Room No. 107, Alibag, At. & Post Tahsil Alibag, Dist. Raigad Maharashtra State.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be reard in person or by a legal practitioner.

THAL-DHARAMTAR GAS PIPE LINE PROJECT

State : Maharashtra District : Raigad Tahasil : Alibagh

Village	Survey Number	Hissa Number	Gut Number	Area		
				Hectare	Are	C. Are
1	2	3	4	5	6	7
Shahabaj	185	1 Part	—	00	04	30
	185	2 Part	—	00	01	60
		Total :		00	05	90

[No. L-14016/06/93-G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का. आ. 350—भारत सरकार के राजपत्र भाग—II, खंड—3, उपखंड—II, से प्रकाशित हुई नीचे दिए हुए अधिसूचनाओं में नीचे दिए हुए तक्ते अनुसार पढ़िये :—

क्र.	ग्राम	राजपत्र दिनांक	पृष्ठ क्रमांक	का. आ. क्रमांक और दिनांक	अधिसूचना का कालम	पढ़िये		के स्थान पर	
						सर्वे क्रमांक	क्षेत्र	सर्वे क्रमांक	क्षेत्र
							हे. आर. से. आर.		हे. आर. से. आर
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	शाहाबाज	05-10-93	07	का. आ. 752 इ	3(I)	181 1 भाग	00-04-50	181 1 भाग	00-05-40
2.	"	"	"	"	"	नाला	00-01-00	नाला	00-02-70
3.	"	"	"	"	"	181 5 भाग	00-11-70	181 5 भाग	00-12-40
4.	"	"	"	"	"	181 3अ 3 ब भाग	00-15-20	183 3अ 3 ब भाग	00-19-06
5.	"	"	"	"	"	181 4 भाग	00-06-80	181 4 भाग	00-00-80
6.	"	"	"	"	"	179 4 भाग 179 5 भाग	00-03-20 00-01-50	179 0 भाग	00-01-20
7.	"	"	"	"	"	178 2 भाग	00-03-30	178 2 भाग	00-05-85
8.	"	"	"	"	"	177 1अ भाग	00-02-00	177 1अ भाग	00-01-95
9.	"	"	"	"	"	177 1ब भाग	00-14-90	177 1ब भाग	00-13-60
10.	"	"	"	"	"	174 4 भाग	00-11-70	174 4 भाग	00-10-80
11.	"	"	"	"	"	174 2 भाग	00-01-50	174 2 भाग	00-01-80
12.	"	"	"	"	"	175 1 भाग	00-09-70	174 1 भाग	00-11-38
13.	"	"	"	"	"	174 6 भाग	00-00-60	174 6 भाग	00-00-28
14.	"	"	"	"	"	175 2 भाग	00-00-80	175 2 भाग	00-00-75

[सं. एल-14016/06/93/जी. पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 17th January, 1994

S. O. 350:—The partial modification to the Notification published under Petroleum & Mineral Pipe Line Act, 1962 in the Govt. of India's Gazette as shown below (Part-II, Section-3, Sub-Section-II) be read as per following table :

S. No.	Village	Page Number	Gazette Date	S.O. No. and Date	Notification under section
1	2	3	4	5	6
1.	Shahabaj	07	5-10-93	S. O. 752 E	3(1)
2.	,,	,,	,,	,,	,,
3.	,,	,,	,,	,,	,,
4.	,,	,,	,,	,,	,,
5.	,,	,,	,,	,,	,,
6.	,,	,,	,,	,,	,,
7.	,,	,,	,,	,,	,,
8.	,,	,,	,,	,,	,,
9.	,,	,,	,,	,,	,,
10.	,,	,,	,,	,,	,,
11.	,,	,,	,,	,,	,,
12.	,,	,,	,,	,,	,,
13.	,,	,,	,,	,,	,,
14.	,,	,,	,,	,,	,,

Read				In Place of			
S. No.	H.	Are	C. Are	S. No.	H.	Are	C. Are
7		8		9		10	
181-1 Part	00	04	50	181-1 Part	00	05	40
NALA	00	01	00	NALA	00	02	70
181-5 Part	00	11	70	181-5 Part	00	12	40
181-3A Part, 3B Part	00	15	20	181-3A Part, 3B Part	00	19	06
181-4 Part	00	06	80	181-4 Part	00	00	80
179-4 Part	00	03	20	179-0 Part	00	01	20
179-5 Part	00	01	50				
178-2 Part	00	03	30	178-2 Part	00	05	85
177-1A Part	00	02	00	177-A1 Part	00	01	95
177-1B Part	00	14	90	177-1B Part	00	13	60
174-4 Part	00	11	70	174-4 Part	00	10	80
174-2 Part	00	01	50	174-2 Part	00	01	80
175-1 Part	00	09	70	175-1 Part	00	11	38
174-6 Part	00	00	60	174-6 Part	00	00	28
175-2 Part	00	00	80	175-2 Part	00	00	75

[No. L-14016/06/93-G.P]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का.आ. 351—यतः केन्द्र सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य, जिला रायगढ़ में मौजे आर.सी.एफ.थल., तहसील अलिबाग से मौजे धरमतर, तहसील पेण तक नैसर्गिक गैस परिवहन के लिए पाईपलाइन मैसर्स गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम), 16, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली 110066 द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम अधिकारी गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड, सायलीय श्रीबाग नं. 2, अलिबाग के सक्षम इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर दर्ज करा सकेगा।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत स्वरूप में हो अथवा किसी विधि व्यवसायक के माध्यम से हो।

अनुसूची

आर.सी.एफ. थल–धरमतर गैस पाईप लाइन परियोजना

राज्य : महाराष्ट्र जिला : रायगढ़ तहसील : अलिबाग

गांव	सर्वे नम्बर	हिस्सा नम्बर	गट नम्बर	क्षेत्रफल		
				हैक्टार	आर.	सेन्टीआर
तुडाल	6	1 अ भाग	—	00	00	70
	6	1 ब भाग	—	00	00	20
	6	1 क भाग	—	00	00	20
	8	10 ब भाग	—	00	01	60
			एकूण	00	02	70

[सं. एल.-14016/06/93-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 17th January, 1994

S.O. 351.—Whereas it appears to the Central Govt. that it is necessary in the public interest that for the transport of Natural Gas from RCF Thal Tahasil-Alibag, District-Raigad to Dharamtar (NDIL) Tahasil Pen, District Raigad in the State of Maharashtra a Pipe Line should be laid by the Gas Authority of India Ltd., 16, Bhikaji Cama Place, R K. Puram Ring Road, New Delhi 110066.

And whereas it appears to the Central Govt. that for the purpose of laying such pipe line it is necessary to acquire the Right of User in the lands described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Lands) Act 1962 (50 of 1962) the Central Govt. hereby declares its intention to acquire the Right of User in the lands referred there in the Schedule;

Provided that any person interested in the said lands having any objection for laying the pipelines through the said lands may prefer any objection within 21 days from the date of Notification to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Thal-Dharamtar Gas Pipe line Project, Sayali' Shribag No. 2, Alibag. At & Post Tahasil Alibag Dist. Raigad, Maharashtra State.

And very person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

THAL-DHARAMTAR GAS PIPE LINE PROJECT

State : Maharashtra District : Raigad Tahasil : Alibag.

Village	Survey Number	Hissa Number	Gut Number	Area		
				Hector	Area	C. Are
1	2	3	4	5	6	7
Tudal	6	1 A Part	—	00	00	70
	6	1B Part	—	00	00	20
	6	1 C Part	—	00	00	20
	8	10B Part	—	00	01	60
		Total		00	02	70

[No. L-14016/06/93-G.P.]

ARDHENDU SEN. Director

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1994

का. आ. 352 :—भारत सरकार के राजपत्र के भाग—II, खंड —3, उपखंड—II, में प्रकाशित हुयी नीचे दिए हुए अधिसूचनाओं में नीचे दिए हुये तर्के के अनुसार पढ़िये।

अ. क्र.	ग्राम	राजपत्र दिनांक	पन्ना क्रमांक	का. आ. क्रमांक और दिनांक	अधिसूचना का कलम	पढ़ी: सर्वे क्रमांक	पढ़ी: क्षेत्र हे. आर. से. आर.	के स्थान पर: सर्वे क्रमांक	के स्थान पर: क्षेत्र हे. आर. से. आर.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	नुडाल	05-10-93	05	का. आ. 751	3(1)	2–2 क भाग	00–04–20	2–2 क भाग	00–07–90
2.	"	"	"	"	"	2–6 भाग	00–07–50	2–6 भाग	00–08–55
3.	"	"	"	"	"	2–2 ब भाग गांवठाण	00–10–70	2–2 ब भाग गांवठाण	00–09–66
4.	"	"	"	"	"	7–1 भाग	00–08–50	7–1 भाग	00–09–80
5.	"	"	"	"	"	8–6 भाग	00–09–10	8–5 भाग	00–10–80
6.	"	"	"	"	"	8–10 अ भाग	00–06–70	8–10 अ भाग	00–05–58
7.	"	"	"	"	"	8–2 भाग	00–09–70	8–2 भाग	00–09–39
8.	"	"	"	"	"	8–7 भाग	00–02–30	8–7 भाग	00–01–80
9.	"	"	"	"	"	8–3 क भाग	00–10–00	8–3 क भाग	00–12–14
10.	"	"	"	"	"	8–8 भाग	00–02–50	8–8 भाग	00–00–83

[सं. एल-14016/06/93-जी.प.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 17th January, 1994

S. O. 357:—The Partial modification to the Notification published under Petroleum & Mineral Pipe Line Act, 1962 in the Govt. of India's Gazette as shown below (Part-II, Section-3 Sub-Section-II) be read as per following table.

S. No.	Village	Page Number	Gazette date	S.O. No. and date	Notification under section.
1	2	3	4	5	6
1.	Tudal	05	5-10-93	S. O. 751 E	3(I)
2.	,,	,,	,,	,,	,,
3.	,,	,,	,,	,,	,,
4.	,,	,,	,,	,,	,,
5.	,,	,,	,,	,,	,,
6.	,,	,,	,,	,,	,,
7.	,,	,,	,,	,,	,,
8.	,,	,,	,,	,,	,,
9.	,,	,,	,,	,,	,
10.	,,	,,	,,	,,	,,

Read				In Place of			
S.No.	H.	Are	C. Are	S .No.	H.	Are	C. Are
7		8		9		10	
2–2 C Part		00-04-20		2–2 C Part		00-07-90	
2–6 Part		00-07-50		2–6 Part		00-08-55	
2–2 B Part		00-10-70		2–2 B Part		00-09-66	
Gavthan				Gavthan			
7–1 Part		00-08.50		7–1 Part		00-09-80	
8–6 art		00-09-10		8–6 Part		00-10-80	
8–10A Part		00-06-70		8–10A Part		00-05-58	
8–2.Part		00-09-70		8–2 Part		00-09-39	
8–7 Part		00-02-30		8–7 Part		00-01-80	
8–3C Part		00-10-00		8–3C Part		00-12-14	
8–8 Part		00-02-50		8–8 Part		00-00-83	

[No. L-14016/06/93 G.P]

ARDHENDU SEN, Director

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1994

का. आ. 353:—पवनहंस लिमिटेड की नियमावली और अन्तर्नियम के अनुच्छेद 38 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति इस मंत्रालय की दिनांक 17 जनवरी, 1991 की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना संख्या एवी—13015/81/88—ए. सी (वी. एल.) के द्वारा गठित पवनहंस लिमिटेड के निदेशक-मंडल की अवधि को 16-1-1994 से छः महीने के लिए बढ़ाने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं।

[संख्या एवी-13015/28/92-ए. सी. वी. एल.]

एम. भट्टाचार्जी, अवर सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION & TOURISM

New Delhi, the 10th January, 1994

S.O. 353.—In exercise of the powers conferred by Article 38(a) of the Memorandum and Articles of Association of the Pawan Hans Limited, the President is pleased to convey approval to an extension for six months beyond 16-1-1994, of the term of the Board of Directors of Pawan Hans Limited, constituted vide this Ministry's notification No. AV. 13015/81/88-ACVL, dated the 17th January, 1991 and as amended from time to time.

[F. No. AV. 13015/28/92-ACVL]

M. BHATTACHARJEE, Under Secy.

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1994

का. आ. 354:—नाविक भविष्य निधि स्कीम 1966 के पैरा 3 के साथ पठित नाविक भविष्य निधि अधिनियम, 1966 (1966 का 4) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, पूर्व परिवहन मंत्रालय, जल भूतल परिवहन विभाग (नौवहन पक्ष) में भारत सरकार की अधिसूचना सं. एस. ओ. 5757 दिनांक 11 दिसम्बर, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः—

उक्त अधिसूचना में, क्रम सं. 5 के सामने श्री एस. आर. आप्टे, भारतीय राष्ट्रीय जहाज-मालिक संघ के स्थान पर श्री आर. अनन्तकृष्णन, उप महाप्रबन्धक (लेखा-प्रभारी), भारतीय नौवहन निगम प्रतिस्थापित किया जाए।

[फा. सं. एसटी-14018/7/90-एम टी]

ओ० पी० महे, अवर सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 18th January, 1994

S.O. 354.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Seamen's Provident Fund Act, 1966 (4 of 1966) read with paragraph 3 of the Seamen's Provident Fund Scheme, 1966, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Transport, Department of Surface Transport (Shipping Wing) No. S. O. 5757 dated the 11th December, 1985, namely :—

In the said notification against Sl. No. 5, the name of Shri S. R. Apte, Indian National Shipowners' Association may be substituted by Shri R. Ananthakrishnan Dy. General Manager (Accounts-in charge) of SCI.

[File No ST-14018/7/90-MT]

O. P. MAHEY, Under Secy.

श्रम मन्त्रालय

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1994

का०आ० 355.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पूरी ग्रामा बैंक, पूरी के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर (उड़ीसा) के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-1-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/181/92-आई आर बी III (बी-I)]

एस०एस० के० राव, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 4th January, 1994

S.O. 355.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dipsute between the employers in relation to the management of Puri Gramya Bank, Puri and their workmen, which was received by the Central Government on the 4-1-94.

[No. 12012/181/92-IR.B. III(B.I.)]

S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

INDUSTRIAL TRIBUNAL : ORISSA, BHUBANESWAR

PRESENT :

Sri R. K. Dash, LL.B., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar

Industrial Dispute case No. 3 of 1993 (Central)

Dated, Bhubaneswar, the 27th December, 1993.

BETWEEN

The management of Puri Gramya Bank, Head Office : Pipli, Dist : Puri, —First party-management.

and

Their Workman Sri P. K. Banerjee, Clerk-cum-Cashier, Puri Gramya Bank, Head Office—Pipli, Dist. : Puri —Second Party-workman.

APPEARANCES :

Sri K. C. Rath, Officer, Staff Department, Puri, Gramya Bank. —For the First party-management

Sri P. K. Banerjee —The workman himself.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of powers conferred upon it by clause (d) of sub-section (1) and Sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) have referred the

following dispute for adjudication vide their Order No. L-12012/181/92-IR.B.III(B.I) dated 30-12-1992.—

"Whether the action of the management of Puri Gramya Bank in not granting pay protection to Shri P. K. Banerjee, Clerk-cum-Cashier is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?

2. This case was posted to 23-9-93 for settlement of issues. On 18-8-93 both the parties by filing a memorandum of settlement prayed to pass an award in terms thereof. The terms of settlement were readover and explained to the parties to which they admitted to be truth and correct. The terms of the setletment being fair is accepted. An award is passed in terms of the settlement which do form part of the Award.

Dictated & corrected by me.

R. K. DASH, Presiding Officer

FORM—H

(See Rule 58)

Representing the Employer

The Chairman,
Puri Gramya Bank
Head Office, Pipli,
Dist : Puri.

Authorised Officer

Shri Krushna Chandra Rath
Officer, Staff Department
Puri Gramya Bank
Head Office, Pipli,
Dist : Puri

Representing workman
Shri Pradeep Kumar Banerjee,
Clerk-cum-Cashier,
Presently posted at

Puri Gramya Bank
Kanas Branch
At/Po : Kanas
Dist : Puri.

ID Case No. 3/93(c)

SHORT RECITAL OF THE CASE

The workman Shri Pradeep Kumar Banerjee was appointed as Clerk-cum-Cashier in Puri Gramya Bank with effect from 26-02-90, under specific terms and conditions of appointment. The workman preferred a dispute claiming pay protection as Ex-serviceman. The matter was conciliation upon and after unsuccessful conciliaion the dispute has been referred to the Hon'ble Presiding Officer, Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar by the Government of India, Ministry of Labour, under order No. L. 12012/181/92-IR.B.III(B I) dt 30-12-92, registered under Case No. ID/3/93(c) by the Hon'ble Tribunal. During pendency of the case both parties after a round of discussion for settling the matter out of the Court have reached the following settlement:—

1. That both the parties agree that the workman Mr. Pradeep Kumar Banerjee will be given pay protection being an ex-serviceman as per rules advised by NABARD on Working Group Report on Regional Rural Banks under their circular No. NB-IDD. RRCBD No. C. 4559/316(Gen)/92-93 Dated 20-3-93 and increments thereupon will be calculated under the provisions of Puri Gramya Bank Staff Service Regulation 1980 in the scale of pay on which he was appointed.

2. That both the parties agree that by this settlement there subsists no other dispute or differences relating to pay fixation of the workman Mr. P. K. Banerjee.

3. That both the parties agree that the settlement is fare, reasonable,

4. That both the parties agree to file a joint petition before the Hon'ble Presiding Officer, Industrial Tribunal, Orissa, Bhubaneswar in view of this settlement

Place : Bhubaneswar

Date : 18-8-93.

(Pradeep Kumar Banerjee)
Signature of the Workman
Petitioner workman
(KRISHNA CHANDRA RATH)
Signature of the Management
representative

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1994

का०आ० 356.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, सिंडीकेट बैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बैंगलूर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-1-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/19/90-आई आर (बी-2)]
एस०एस०के० राव, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 5th January, 1994

S.O. 356.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Syndicate Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 4-1-1994.

[No. L-12012/19/90-IR(B-II)]
S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this 29th day of December, 1993

PRESENT :

Sri M. B. Vishwanath, B.Sc., B.L., Presiding Officer.

Central Reference No. 39/90

I party

The Secretary,
Syndicate Bank Staff Union,
10/E, J. C. Road Cross,
Bangalore-560002.
(By Sri K. Subba Rao,
Advocate).

V/s.

II party

The Asstt. Gen. Manager,
Syndicate Bank,
Zonal Office,
P.B. No. 27,
Kajubhag,
Karwar-581301.
(By Sri B. C. Prabhakar,
Adv.).

AWARD

In this reference made by the Hon'ble Central Government by its Order No. L. 12012/19/90-IR. B. II dated 30-5-1990 under Section 10(2A)(1)(d) of I.D. Act the point for adjudication as per schedule to reference is:

"Whether the action of the management of Syndicate Bank in dismissing Shri Ramesh R. Naik from the service of the Bank is justified? If not to what relief the workman is entitled?"

2. The case of the I party workman as per amended claim statement dated 28-1-1993 is:—

The I party was working as an attender in the II party until he was dismissed by the II party on the ground of alleged temporary misappropriation and tampering with records of the bank. The Enquiry Officer, Disciplinary Authority and the Appellate Authority have not applied their mind. The punishment imposed on the I party is harsh and unjustifiable and discriminatory. The departmental enquiry is invalid. In the case of another employee B. Achutha Baliga, who was a passing officer and who had committed fraud, was imposed a nominal punishment, though he was an officer. In any case, this Tribunal should invoke Section 11-A of the I.D. Act, set aside the order of dismissal and reinstate the I party workman with back wages and other benefits.

3. In the counter statement it is contended:—The I party was issued with a charge sheet dated 1-12-86 for stealthily removing undelivered cheque book and utilising a Chesue from the book to fraudulently withdraw a sum of Rs. 2,000 from an S.B. A/c. of a customer of Kujta branch and for removing the said cheque from the day's slip bundle with a view to deface it. In the explanation I party stated that he had already confessed the guilt to branch manager and Vigilance Cell. He prayed for taking a lenient view. There was a D.E. held against the I party workman. The Enquiry Officer gave his report giving findings that the charges against I party were proved. A second show cause notice was issued to the I party by the Disciplinary Authority. The I party workman, among other things, submitted that he had reimbursed the amount involved immediately and voluntarily. Since fraud committed by I party workman was serious in nature the Disciplinary Authority ordered dismissal of the I party. The order of dismissal was communicated to I party on 14-3-88. The Appellate Authority dismissed the appeal filed by the I party. The punishment of dismissal imposed on the I party is proportionate to the gravity of the misconduct committed by the I party. There are no litigating circumstances to take a lenient view. There was proper application of mind by the II party, at every stage. The I party, while referring to Achutha Baliga, Passing Officer of the bank, has not given the particulars to enable the II party to ascertain the facts. The punishment in each case depends on the facts and circumstances of each case. Therefore there is no substance in the allegation that I party workman has been disciriminated against. The reference has to be rejected. The D.E. held is valid. (See Add! counter statement dated 10-6-1993).

4. The order sheet dated 29-10-90 shows that the case has been posted for issues to 20-11-90. The order sheet dated 20-11-90 shows that the case is posted for evidence on preliminary issue But by oversight the issues have not been framed. That does not matter.

5 On the preliminary point (validity of D.E.) on behalf of II party M W 1 H R. Sudhakar, Asstt. Personnel Manager who was the E O has been examined On behalf of the I party workman he got himself examined and closed his case.

6. By a separate considered order dated 26-5-93 this Tribunal has given a finding that the D E. held against the I party is valid and proper

7. After the above said finding on D E. was givne, the case was posted to evidence on victimisation or to hear on perversity of findings of the report given by the E.O. and adequacy of punishment.

8. Subsequently W W.1 (I party workman) has been recalled and further examined. The II party has not adduced any further evidence.

9. There is no evidence regarding victimisation. I hold that there was no victimisation.

10. Ex. M. 9 marked in this Tribunal is the report of the enquiry officer. He has discussed the evidence adduced before him. He has relied on the confession letter given by the I party. No arguments were addressed before me regarding perversity of the findings of the report given by E.O. I hold that the report is reasonable and the findings given by the E.O. is correct and not perverse.

11. The Learned Counsel for the I party workman seriously contended that the punishment imposed was unreasonable and harsh and that this Tribunal Under Section 11-A of I.D. Act should set aside the punishment and reinstate the I party workman with back wages. This was seriously opposed by the Learned Counsel for the II party.

12. To appreciate the above rival contentions it is necessary to note in detail the charges levelled against the I party workman. Ex. M. 5 is the charge sheet. There are two counts. The I party has been charged:—

(i) The I party workman stealthily removed undelivered cheque book written in the name of Sri P. R. Bhat, a customer of the branch and took out a cheque leaf bearing No. 286783 and changed/caused to be changed the account number written on the leaf to make believe that it was issued on S.B. A/c. of Sri G. V. Kalsank and utilising the above cheque leaf No. 286783, fraudulently withdrew the amount of Rs. 2,000 from his S.C. account; and

(ii) thereafter in order to conceal his above acts, he removed the said cheque leaf bearing No. 286783 from the day's slip bundle with a view to deface it.

The above acts amount to gross misconduct, doing acts prejudicial to the interest of the bank under Clause 19.5(j) of the B.P.S.

13. The Learned counsel for the I party workman has relied on the decision of the Supreme Court reported in AIR 1986 SC. 149 (Scooter India Ltd., Lucknow v/s. Labour Court, Lucknow and others) wherein it has been laid down that the erring workman should be given an opportunity to reform himself and prove to be loyal and disciplined employee. The Learned Counsel for the II party submitted that this authority had to be distinguished on facts. It is submitted by the Learned counsel for the II party that in the authority of the Supreme Court the charges were that the workman distributed offensive pamplets and his behaviour was rude, though his conduct was motivated by ideals. But in the instant case the I party workman takes away cheque book, notes down account holder's particualrs, removes the cheque book before drawing the amount. It is further contended that, though not charged, the I party had committed forgery. I completely agree with the Learned counsel for the II party that to the present case the law laid down by the Supreme Court cannot be applied, bearing in mind the magnitude of the misconduct committed by the I party workman.

14. On behalf of the I party workman Exs. W.1 to W.5 have been produced to show that in respect of the Officer Achutha Baliga the II party took lenient view and that leniency should be extended to the I party workman on the ground Baliga the Officer as per charge sheet Ex. W.1 had issued 10 cheques, in all for Rs. 50,000 drawn on his S.B. A/cs. at various other branches in Bangalore. As per enquiry report Ex. W.2 it was found that the charge against the Achutha Baliga was proved beyond any shadow of doubt. As per Ex. W.4 the punishment awarded to Achutha Baliga was that his basic pay was reduced to 4 stages, in the time scale of pay. So it is argued by the Learned Counsel for the I party that the I party workman also deserves a very lenient view. What Achutha Baliga did was to see that the cheques were not cleared to his account at the other end because there was no sufficient cash in his account at his accounts in the other branches. In the instant case the I party has committed fraud and forgery in respect of the customer's account of the bank. I agree therefore that the arguments advanced by the Learned Counsel for the II party that there can be no comparision between Achutha Baliga's case and the case of the I party.

15. Even so there is a silver lining in the otherwise blameworthy conduct of the I party. He has drawn amount on 13-1-86 and made good the amount on 17-1-1986 after the branch manager, on 16-1-86 called for a meeting of the Staff and explained the consequences and requested the staff

members to admit the guilt committed by anybody courageously to enable him to settle the matter. The I party had the honesty to confess his guilt, immediately the fraud was discovered without trying to escape or set up a defence. He has stated in his reply Ex. M.6 that he committed the act because of compelling circumstances viz., to meet the mounting expenses incurred by him on account of his wife's continued illness.

16. The I party workman was dismissed from serivce w.e.f. 14-3-88. Now we are in the year grace 1993 December. It is about 5 years 9 months. In a Bank the attendar will be drawing about Rs. 2,000 per month, I take it. At the rate of Rs. 2,000 per month for a period of 5 years 9 months the I party has lost Rs. 1,38,000. If the I party is denied back wages and is not granted increments for the period that he has not worked that itself will be adequate punishment.

17. The I party workman has stated in his evidence dated 30-8-93 that he was undergone an operation for brain tumour at Mangalore Father Mulla's Hospital and that he was an inpatient for 2 weeks. Witness showed to the Tribunal his bald head which clearly bears mark of skull operation. Ex. W.6 is the scanning negative copy. Ex. W.7 is the original report form (taken back). Ex. W.7(a) is the zerox copy of Ex. W.7 issued by Kasturba Hospital, Manipal showing that the health condition of the I party is not proper. At the time of evidence of I party was being recorded in this Tribunal, the wife of I party was sitting in the Tribunal. The I party has stated in his evidence that in view of his ailment his wife had accompanied him to take care of him. The circumstances mentioned so far show that Nature has punished him.

18. It has been laid down by our Hon'ble High Court in 1988 (1) Kar. L.J. 22 (Karnataka Dairy Development Corporation Ltd., v/s. Presiding Officer and another) "It is now well settled that the Industrial Disputes Act is a legislation that favours the workman and is meant for his beneficial welfare. In construing its provisions the Courts lean in favour of workman."

19. The I party workman joined the II party as attendar in 1979. Till the present incident in the beginning of 1986, it is not disputed, the conduct of I party was blemishless.

20. For the reasons stated in the above paras, I am of opinion, the I party workman should be given an opportunity to pull his socks up and improve. If reinstatement is ordered without back wages and increments, ends of justice will be met.

ORDER

Order passed by the II party dismissing I party from service is set aside. The II party is directed to reinstate the I party forthwith with continuity of service. No back wages. The I party is not entitled to increments for the period he has not worked. Reference accepted as stated herein and award passed accordingly. Submit to Government.

(Dictated to Stenographer, typed by him corrected, signed by me on this 29th day of December, 1993).

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1994

का०आ० 357.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारत कोकिंग कोल लिमि० का कोयला भवन के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं० 2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-1-94 को प्राप्त हुआ था ।

[सं० एल-24012(36)/87-डी-4(बी)/आई आर (कोल-I)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th January, 1994

S.O. 537.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. II) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of B.C.C.L. Koyala Bhawan and their workmen, which was received by the Central Government on 4-1-1994.

[No. L-24012(36)/87DIV(B)2R(C.I)]
RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHABAD

PRESENT:

Shri B. Ram, Presiding Officer

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

REFFRENCE NO. 272 OF 1987

PARTIES:

Employers in relation to the management of Bharat Cokin Coal Ltd., Headquarter, Koyala Bhawan, P.O. Koyalanagar, Distt. Dhanbad and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : None.

On behalf of the employers : Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar. INDUSTRY :: Coal.

Dated, Dhanbad, the 24th December, 1993

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(36)87-D.IV(B) dated, the 18th September, 1987.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bharat Coking Coal Ltd., Hd. Quarters, Koyala Bhawan, P.O. Koylanagar, Distt. Dhanbad in terminating Sri Sanjiv Kumar Mitra from service is justififfied? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The matter is pending since 1987 only for filling W.S. by the workmen. The record will show that registered notices were sent twice upon the Joint General Secretary, R.C.M.S. Union, Dhanbad for taking necessary steps in the matter. But it was no use and til the last no W. S. was filed. I also find that Shri B. Joshi, Advocate had been making pairvy on behalf of the management. This is suggestive of the fact that the union is not interested at all in pursuing with the matter and hence a 'No dispute' Award is passed.

B. RAM, Presiding Office

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1994

का०आ० 358.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै० भारत कोकिंग कोल लिमि० की बरारी कोलियरी के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं० 2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-1-94 को प्राप्त हुआ था ।

[सं० एल-24012/72/86-डी-4(बी)/आई आर (कोल-I)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th January, 1994

S.O. 358.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal (No. II), Dhanbad as shown in the Annxure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bararee Colliery of M/s. B.C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 4-1-1994.

[No. L-24012/72/86-DIV(B)IR(C-I)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD.

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(I)(d) of the I. D. Act, 1947

REFERENCE NO. 43 OF 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bararee Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : None

On behalf of the employers : None

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 24th December, 1993

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following disute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012/72/86-D.IV(B), dated, the 17th January, 1987.

THE SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bararee Colliery of M/s. B.C.C.L. to deny clerical Gr. II to Shri Din Dayal Attendance Clerk since April, 1979 along with consequential benefits is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. In this reference no W.S. was filed on behalf of the union although the matter is pending since 1987. It also appears that a registered notice had also been sent to the B.O.K. Union, Dhanbad. Inspite of that no W.S. was filed. From order dt. 2-12-1992 it appears that Shri D. Mukherjee had appeared on behalf of the workmen but since then one year has elapsed but no W.S. was filed nor any pairvy was made on behalf of the workmen. In the circumstances a 'No Dispute' Award is passeed.

B. RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1994

का०आ० 359.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैं० सैन्ट्रल कोलफील्ड्स लिटि० की कुजू कोलियरी के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं० 2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-1-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-24012/114/86-डी-4(बी)/आई आर (कोल-I)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th January, 1994

S.O. 359.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. II), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Kuju Colliery of M/s. C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 4-1-1994.

[No. L-24012/72/86-DIV(B)IR(C-I)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(I)(d) of the I. D. Act, 1947.

REFERENCE NO 76 OF 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kuju Colliery of Central Coalfilds Limited and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the workmen : None

On behalf of the employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 24th December, 1993.

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No L-24012/114/86-D.IV(B), dated, the 3rd January, 1987.

SCHEDULE

'Whether the action of the Management of Kuju Colliery of C.C. Ltd., P.O. Kuju, Distt. Hazaribagh in stopping two increments and denial of promotion to Shri Devendra Lal, Gr II Clerk to Grade-I is legal and justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled? '

2. This reference is pending since January, 1987 only for filling W.S. by the workmen. Shri R. S. Murthy has been making appearance on behalf of the management. But nobody ever appeared for and on behalf of the workmen. This simply suggested that the union is not interested in pursuing the matter. I also find that three registered notices had already been sent to the Secretary, Koyala Mazdoor Union, Hazaribagh but to no effect. Lastly on 18-8-1993 Shri R. S. Murthy, Advocate for the employer filed a petition requesting the Court to give a 'No dispute' Award. In the circumstances of the case a 'No Dispute' award is passed.

B. RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1994

का०आ० 360.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैं० भारत कोकिंग कोल लिटि० की धर्मावन्द कोलियरी के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके

कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं० 2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-1-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-20012(143)/90-आई आर (कोल-I)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th January, 1994

S.O. 360.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. II), Dhanbad as shown in the Annxure in the Industrial Dispute between the employrs in rlation to the management of Dharmaband Colliery of M|s. B.C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 4-1-1994.

[No. L-20012(143)|90-IR(C-I)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial disute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 55 OF 1991

PARTIES :

Emloyers in relation to the management of Dharmaband Colliery of M|s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : None

On behalf of the employers : None

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 24th December, 1993

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following disute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(143)| 90-I.R. (Coal-I), dated, the 1st January, 1991.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Dharmaband Colliery of M|s. Bharat Coking Coal Limited in dismissing Shri Deoki Nandan Prasad Lal, ex-Underground Munshi w.e.f 16-1-88 is justified? If not, to what relief the concerned workmen entitled to?"

2. This reference is ending since January, 1991 and the workmen/union was directed to file W.S. but without any result. The ordersheet further shows that registered notices were also sent to the union namely Janta Mazdoor Sangh, Vihar Building, Jharia, Dhanbad. This shows that the union is not very much interested in pursuing the matter and hence a 'No dispute' Award is passed.

B. RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1994

का०आ० 361.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै० भारत कोकिंग कोल लि० की दुधा कोल वाशरी के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं० 2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-1-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-20012(265)/90-आई आर (कोल-I)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th January, 1994

S.O. 361.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. II) Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Dugda Coal Washery of M/s. B.C.C.L. and their workmen which was rceeived by the Central Government on 3-1-1994.

[No. L-20012/265/90-IR (Coal-I)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

Reference No. 49 of 1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dugda Coal Washery of M/s. B.C.C.L. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri S. Bose, Secretary, R.C.M.S. Union.

On behalf of the employers—Shri Harihar Nath, Advocate

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal Washery

Dhanbad, the 24th December, 1993

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/ 265/90-I.R. (Coal-I), dated, the 5th February, 1991.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Dugda Coal Washery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. is justified in not departmentalising and regularising the following 10 contract labour workmen employed in the operation of handling of stores at Dugda Coal Washery ?

1. Shri Khajan Singh.
2. Shri Durjodhan Mahato.
3. Shri Dadan Bhagat.
4. Shri Tikeshwar Manjhi.
5. Shri Shreeniwas Prasad.
6. Shri Kapalideo Sharma.
7. Shri Dineshwar Mahato.
8. Shri Gopal Singh.
9. Shri Nar Bahadur.
10. Shri Janardhan Singh.

If not, to what relief the workmen are entitled ?"

2. The action of the management of Dugda Coal Washery of M/s. B.C.C.L. in not departmentalising and regularising the concerned workmen as per schedule of the reference has been challenged in this reference. Admittedly the concerned workmen have been engaged in operation of handling of stores materials at Dugda Coal Washery.

3. As per statement of demand submitted by the concerned workmen they claim to have been engaged by the management of Dugda Coal Washery in the work of handling stores since the very inception of the Coal Washery. It was also stated that the work which they were doing were of permanent nature of job. The management has long been treating them as contractors workers which according to the union is a devise of the management to deprive the concerned workmen of their real status as regular and permanent workmen of the Company.

4. They claim to have been working regularly and continuously for the last 10 to 12 years under different contractors.

5. The concerned workmen claim to have worked directly under the supervision and control of the Washery of BCCL and all the implements and wherewithal for the jobs are provided by the company itself. The alleged contractors have got no role to play except submitting the bills and distributing the wages after collecting the same from the company. It was contended that in facts and also in law the concerned workmen are the men of the company and they are entitled for their regularisation.

7. The union made several representations from time to time to the management of BCCL for their regularisation but the management refused to concde to the demand of the union. It has been prayed for regularisation of the concerned workmen, and also to pay them all the wages and other emoluments payable to the regular workmen doing the same job.

8. The management filed seperate W.S. denying each and every claim of the concerned workmen. It was contended that the management is required to engage contractors for handling stores materials which is not of continuous or permanent job. The jobs have to be carried out only occasionally. It was stated further the contractors were required to execute the obs by engaging their own men and as such it was their responsibilities to direct and supervise the work of their own workers and also to provide all the necessary facilities. Different contractors were engaged at different times and one contractor was not obliged to keep or engage the same man. It was contended that the job in question was more amenable for the system of contract and it was neither fair nor proper to call upon the management to execute such jobs departmentally or to keep any regular work force on its roll for the simply reason that the work was not continuous and permanent. In this way the management denied the relationship of employer and employee between the concerned workmen and the management. On these ground it was submitted that the union has got no claim and the concerned workmen are not entitled to any relief.

9. The question for consideration is as to whether the concerned workmen deserve their regularisation in the services of the company ?

10. The concerned workmen claim to have been engaged by the managemnt but admittdly they do not possess any appointment letter to establish this fact. The management on the other hand has claim that they are men of contractor. It is the consistent case of the management that it has been engaging contractors to accomplish the job for handling the stores materials in Dugda Coal Washery from time to time and it is contractors who have been engaging their own men to do the job. In this way the management submitted that the concerned workmen are contract labours. I find that the very terms of reference also states that 10 concerned workmen are contract labourers. In the circumstances it is held that all the concerned workmen are contract labours.

11. Admittedly, the concerned workmen have been handling stores materials for the last 10 to 12 years as contract labours. MW-1 Shri K. B. P. Pillai who has been working as Senior Stores Officer at Dugda Coal Washery since 1962. has stated that the concerned workmen are working in the washery stores for the last 10 to 12 years. He claims to know them personally. He stated that the contractors have been changing but the labourers did not change. WW-1 Shri Dadan Bhagat, one of the concerned workman has stated that they have been working in the washery since 1978. It may be mentioned that the reference was made in the year 1991 and on calculation it will come to about 12 years.

12. It was the case of the management that no relationship of employer and employee ever existed between the management and the concerned workmen. The contractors themselves have been controlling and supervising the work of the concerned workmen whom they engaged. The contractors also used to make payment of wages to the concerned workmen and the management has nothing to do with all these things. At this stage we may refer to the evidence of MW-1 again. He being a responsible officer has stated in the very chief examination that the full responsibility and the supervision of the contract labours rested with the contartctor but the responsibility of the management also cannot be denied. He further affirmed this statement in his cross-examination when he stated hat the supervision work is constantly done by the contractor but the staff of the company also remains there. By making such emphatic statement the witness has proved that the control and supervision did not rest solely on the contractor but the management has also its own responsibility. Impliedly this will mean that the management has partial control and supervision over the work of the concerned workmen.

13. The management stated that handling of stores materials were of temporary nature of job. MW-1 has explained that the contractors are engaged to handling the materials coming from outside and also for the purpose of transporting it to other place from the washery. According to him it is temporary nature of job. MW-2 Maheshwar Prasad Singh, Dy. Personnel Manager, Dugda Coal Washery has also stated that handling of stores materials is not permanent and perennial nature job. However, in cross-examination he admitted that he had no experience of any working in the stores and handling materials where the concerned workmen are working. He added further that he had never any occasion to supervise the work of stores materials at washery. According to him the Senior Stores Officer is overall incharge of stores. The management examined MW-1 who is Senior Stores Officer and naturally he is expected to know better than any other officer of the washery. MW-1 has stated in the very opening line of cross-examination that handling business of the stores have got a huge dimension. He further stated that the work of transporting and importing materials is a regular feature. According to him there are some permanent workmen also to handle such job apart from the concerned workmen. This fact stands supported from the evidence of MW-2 also who stated that there are two to three persons already engaged on permanent basis for handling stores materials. This is suggestive of the fact that the concerned workmen are doing the same job which is being done by the permanent hands. In this way by making such statement the witness has almost affirmed that the job of handling stores materials is of the type which has got sufficient duration in a year. In other words it is the work of permanent nature. At this stage the learned counsel for the workmen by placing reliance upon the authority reported in Supreme Court Labour Judgement Vol. 5 page 3474 and submitted that to become a permanent workman it is not necessary that he should be engaged throughout the year on permanent job. What is necessary is that the work on which he is engaged is of permanent nature and lasts throughout the year. It is not necessary that the workman should be engaged throughout the year.

14. In order to support the above contention Ext. M-5 series which are photo copies of the wagesheet in respect of the concerned workmen are very relevant. MW-2 has proved the documents and stated that it bears the signature of contractors supervisor and also the officer representing the management. From the perusal of the document it appears that each of the concerned workman worked for almost every day in a month. These wagesheets are for the period from 1-5-91 to 31-1-92. Continuous service has been defined under Section 25-B of the I. D. Act whereunder it has been provided that a workman will be said to be in continuous service who has worked 240 days in a calendar year. The necessary provision may be reproduced as follows :—

"(1) a workman shall be said to be in continuous service for a period if he is, for that period, in

uninterrupted service, including service which may be interrupted on account of sickness or authorised leave or an accident or a strike which is not illegal, or a lock-out or a cessation of work which is not due to any fault on the part of the workman ;

(2) where a workman is not in continuous service within the meaning of clause (1) for a period of one year or six months, he shall be deemed to be in continuous service under an employer—

(a) for a period of one year, if the workman, during a period of twelve calendar months, preceding the date with reference to which calculation is to be made, has actually worked under the employer for not less than—

(i) one hundred and ninety days in the case of a workman employed below ground in a mine ; and

(ii) two hundred and forty days in any other case ;"

From the document it is well established that the concerned workmen completed 240 days attendance in a calendar year. It is true that completion of 240 days work in a calendar year is not the qualification for regularisation but one doing so many days in a calendar year will qualify him to keep within the category of continuous service. Not only that but continuous service in perennial nature of job will be an added qualification which will ultimately make a workman eligible for departmentalisation. Ext. M-5 series will simply reveal that the concerned workmen have been doing regularly and this proves that the job of handling stores materials was of permanent nature. It is also true that the job has not been kept in prohibited category nor there has been any notification in this regard but the facts remain that these concerned workmen have been doing regularly on continuous and perennial nature of work for the last 12 years. MW-2 also stated that the job of handling stores materials is going on for the last 12 years. There can be no denial of the fact that in a perennial nature of job no contract labour is engaged i.e. rather prohibited under the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970. On the other hand the contract labour if engaged in permanent nature of job will be deemed to be the employees of the management for all practical purposes. At this stage reference may be made to the provision contained under Clause 11.5.2 of Chapter XI of NCWA-III which reads as follows :—

"Industry shall not employ labour through contractor or engage contractors labour on jobs of permanent and perennial nature."

The workmen have also filed Ext. W-1 which is a memorandum of agreement dated 5-7-1989 wherein at Chapter VIII Clause 8.1.1 provides that industry shall not employ labour through contractor or engage contractors labour on the job of permanent and perennial nature.

15. In para 10 of the W.S. of the management it is stated that from time to time the Central Government appointed committee to go into the contract system existing in the coal washery but none of these committees have ever considered that the job in question should be departmentalised. I find that this statement is not supported either by documentary or oral evidence.

16. MW-2 stated that all the concerned workmen and other were interviewed by the management. Naturally they would have been interviewed for their absorption as permanent employees of the management. There is evidnce on the record that the contractors changed but the workmen remained the same. In other words the same set of workmen work for years together under different contractors and so naturally they were expected to have gained much experience in the job. Th management further admitted this fact by putting a suggestion to the mouth of WW-1. The suggestion reads as follows :—

"It is not a fact that since we were experienced every contractor used to engage and take our services although the contractors had been changing."

In this way it is well proved that the concerned workmen had gained wide experience in their work and they had made themselves in seperable for the job. But it looks something very surprising that their case were not considered even after they were interviewed.

17. The management has filed a few other documents. Ext. M-1 is the photo copies of the letter dated 20-3-86 addressed to the ALC (C) Dhanbad by the Dy Chief Engineer, Dugda Coal Washery regarding submission of annual return by the principal employer. Ext. M-1/1 and M-1/2 are also the photo copies of the returns. Ext. M-2 is the photo copy of the letter addressed to one Shri Ram Singh, contractor regarding his tender dated 16-10-83. Similar document under Ext. M-2 series have been marked which have been addressed to other contractors. Ext. M-4 is the photo copy of the transfer deed whereby Coal Washeries were transferred to BCCL. Ext. M-3 is the letter concerning the transfer of the washeries. Ext. M-5 series have already been discussed. Ext. M-6 series are again concerning submission of annual returns.

18. I have considered various aspect of the matter and from the evidence both documentary and oral it is well proved that the concerned workmen have been doing permanent and perennial nature of job for the last 12 years under the partial control and supervision of the management. Even if they were engaged by the contractors they will be deemed to be the employees of the management for the simple and obvious reason that they had been discharging perennial nature of job and they also completed 240 days attendance in a calendar year. For these reasons as discussed above I am to hold that the concerned workmen deserve their departmentalisation/regularisation. In the result, the management is directed to regularise all the concerned workmen in Cat. I within two months from the date of publication of the Award and to pay and allowances accordingly.

This is my Award.

B. RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1994

का०आ० 362.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, सैन्ट्रल कोलफील्डस लिमि० के रीजनल स्टोर (बी०एण्ड के०) जारिंगडीह के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं० 2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-12-93 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-24012 (243)/86-डी-4(बी)/आईआर (कोल-I)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th January, 1994

S.O. 362.—In pursuance of Section 33C (2) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2) Dhanbad as shown in the Annexure in the management of Regional Store (B & K) Jarangdih of C.C.L. and their workmen which was received by the Central Government on 28-12-1993.

[No. L-24012 (243)/86/D. IV (B)/IR (C.I.)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 230 OF 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Regional Stores (B & K) Jarangdih of Central Coalfield Ltd., and their workmen.

REFERENCES :

On behalf of the workmen : None

On behalf of the employers : Shri R. S. Murthy, Advocate

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 20th December, 1993

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012 (243)/86-D. IV (B), dated, the 10th August, 1987.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Regional Store (B & K) Jarangdih of C. C. Ltd., P. O. Jarangdih, Distt. Giridih in denying promotion to Shri Babulal, Asstt. Store Keeper for the post of Store Keeper when his juniors have been promoted, is legal and justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?"

2. This reference is pending since 1987. From the record I find that nobody appeared on behalf of the workmen nor any step was ever taken although the learned counsel for the management Shri R. S. Murthy has been putting his appearance. I find that necessary notices have also been served twice to the Zonal Secretary, United Coal worker Union for appearance and for making necessary steps. Inspite of the above notices issued to the workmen there was no appearance on behalf of the workmen suggesting that the workmen are least interested in the matter. In the circumstances, a 'No dispute' Award is passed.

B. RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1994

का०आ० 363.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै० सैन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमि० की बर्चा कोलियरी के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं० 2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-1-93 को प्राप्त हुआ था ।

[सं० एल-24012/127/86-डी 4(बी)/आई आर (कोल-1)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th January, 1994

S.O 363.— In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. II) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bachra Colliery of C.C.L. and their workmen, which was received by the Central Government on 4-1-1994.

[No. L-24012/127/86-D. IV (B)/IR (C.I)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 95 OF 1987

PRATIES :

Employers in relation to the management of Bachra Colliery of Central Coalfield Ltd., P.O. Bachra and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : None

On behalf of the employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 24th December, 1993

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10 (1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012/127/86-D. III (B), dated, the 24th February, 1987.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Bachra Colliery of Central Coalfields Ltd. in not providing employment to the dependants of S/Shri Brich Ram, Misc. Mazdoor and Ghura Ram, Conveyer Khalasi, as per provision of NCWA-III is justified ? If not, to what relief the workmen concerned are entitled ?"

2. The matter is pending since March, 1987 fiilling W. S. by the workmen. I find that no W.S. could be filed although registered notices were sent twice upon the Branch Secretary. R.C.M.S. Hazaribagh. Shri R. S. Murthy, Advocate always been making pairvy on behalf of the management. I feel that the union has lost interest in the matter and hence a 'No dispute' Award is passed.

B. RAM, Presiding Officer

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 1994

का.आ. 364:—दिनांक 11 दिसम्बर, 1993 को भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में पृष्ठ 3832–3834 पर प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. संख्या 2628 निम्नानुसार पढ़ी जाए :—

निम्नलिखित के लिये

"और जबकि, उक्त नियोजक और उनके कर्मकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 4)

की धारा 10-क की उप-धारा (1) के अंतर्गत एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को विवाचन के लिये भेजने पर सहमत हो गये हैं और उक्त विवाचन करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेज दी गयी है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के अनुसरण मे केन्द्रीय सरकार उक्त करार को प्रकाशित करती है :

करार

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अंतर्गत)

के बीच"

पढ़ा जाए

"और जबकि, उक्त नियोजक और उनके कर्मकार आचरण संहिता के अंतर्गत एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को विवाचन के लिये भेजने पर सहमत है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त करार को प्रकाशित करती है ।

करार

के बीच"

[संख्या एल-22015/12/91-आई.आर (सी-II)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th January, 1994

S.O. 364.—The notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 2628, published at pages 3832—3834 in the Gazette of India Part II. Section 3, Sub-Section (ii) dated the 11th December, 1993 may be read as follows :—

FOR

"And whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-Section (1) of Section 10-A of the I. D. Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forwarded to the Central Government a copy of the said arbitration agreement;

Now, therefore, in pursuance of sub-Section (3) of Section 10-A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement :

AGREEMENT

(Under Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947).

BETWEEN"

READ

"And whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under Code of Discipline agreed to refer the said dispute to arbitration;

Now, therefore, the Central Government hereby publishes the said agreement.

AGREEMENT

BETWEEN"

[No. L-22015/12/91-IR (C. II)]

RAJA RAM, Desk Officer

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1994

का.आ. 365 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, इस मंत्रालय के दिनांक 18-5-93 के समसंख्यक आदेश के द्वारा नियुक्त विवाचक श्री वी.डी. तूलजापुरकर के पंचाट को प्रकाशित करती ।

[सं. एल-30013/1/92-आई.आर. (विविध)]

बी.एम. डेविड, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 4th January, 1994

S.O. 365.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of Sh. V. D. TULZAPURKAR, Arbitrator appointed vide this Ministry's Order of even Number dated 18-5-93.

[No. L-30013/1/92-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

REFERENCE UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

BETWEEN

OIL AND NATURAL GAS COMMISSION,
Bombay Regional Business Centre,
2A, Vasundhara Bhavan,
Bombay-400 051. .. FIRST PARTY

AND

THE WORKMEN EMPLOYED UNDER IT
and covered under the Memorandum
of Settlement dated 14-7-1989
between the parties and represented by the Petroleum
Employees' Union, Tel-Rasayan
Bhavan, Tilak Road, Dadar,
Bombay-400 014. .. SECOND PARTY

Mr. Ishwar K. Ramrakhiani with Messrs S. Chopra, Nandram and V. K. Verma—for the First Party.

Mr. Prakash Devdas, Advocate, with Messrs Solkar and Vichare—for the Second Party.

AWARD

This is a Reference under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947, in respect of the dispute between the aforesaid parties. The only specific matter in dispute which is referred to me for arbitration is—

"Whether, in view of the terms of Settlement dated July 14, 1989, the workmen are entitled to receive arrears of Overtime Allowance for the period from 1st April 1987 to 13th July 1989 ?"

2. The admitted and/or undisputed facts giving rise to this Reference are these : Under an earlir Memorandum of settlement of 1983 between the Oil and Natural Gas Commission and its Employees' Union/Associations, which was effective for four years from 1st April 1983 to 31st March 1987, it was open to the Unions under Clause 16.3 thereof to submit fresh Charter of Demands within six months before the expiry of that Settlement and pursuant thereto, the Unions/Associations submitted their Charter of Demands so that the O.N.G.C. may consider the same and start negotiations for a renewed settlement. The demands for wage revision etc. were received by O.N.G.C. from recognised Unions/Associations comprising workmen in Bombay, Dehra Dun, Ahmedabad, Ankleshwar, Sibsagar, Baroda, Calcutta and

Agartala. After protracted negotiations a long-term settlement called Memorandum of Settlement between the Management and the Employees' Unions/Associations was arrived at between the parties at New Delhi on 14th July 1989. This Memorandum of Settlement was effective for a period of four years from 1st April 1987 to 31st March 1991 and it covered as many as nineteen items/topics, viz. Scales of Pay, Fitment Fortula, Date of Increment, Dearness Allowance, Drilling Allowance (fixed), Performance and Productivity Allowance, Hard Duty Allowance, Operational Allowance, House Rent Allowance, House Rent Recovery, Gun Allowance, Cash Handling Allowance, Monetary Ceiling, Contributory Provident Fund (CPF), Applicability, Payment/Recovery of Arrears, Period of Settlement, Harmonious Industrial Relations and Productivity and Implementation/Interpretation of Settlement. Since the Memorandum of Settlement was actually signed on 14th July 1989, approximately 27 months after the date it became effective, the question of payment of arrears in respect of various demands arose and was dealt with and provided for by the parties in Clause 16 of the said Settlement. The specific dispute referred to me pertains to workmen's entitlement to arrears of Overtime Allowance under this Settlement.

3. Admittedly O.N.G.C. has four categories of employees—employees covered by Factories Act, 1948, employees covered by Mines Act, 1954, employees covered by Shops and Establishments Acts of different States and the Off Shore employees, who work on 14 days' ON/OFF Shift pattern and Overtime Allowance is payable to these employees depending upon to what category they belong. It may be stated that Overtime Allowance to these categories of employees of O.N.G.C. and covered by the Memorandum of Settlement dated 14th July 1989 is being paid to them from 14th July 1989 onwards in accordance with the provisions of the concerned enactment applicable to the place of work of an employee performing overtime work. Since, however, Overtime Allowance was not paid by the Management for the period from 1-4-1987 to 13th July 1989 (both days inclusive), the Second Party Union submitted to the Management a detailed statement in writing on the subject on 29th October 1990 and reiterated its demand for payment of arrears of Overtime Allowance. The Union also served a strike notice which included, apart from other demands, the demand for payment of Overtime Allowance on the increased amount of revised salary for the period 1-4-1987 to 13th July 1989. But instead of resorting to strike, negotiations were carried on and by an agreement dated 18-11-1992 the parties agreed to refer the matter to arbitration under section 10A of the Industrial Disputes Act and the requisite Notification was issued by the Central Government in June 1993 referring the aforesaid specific dispute (mentioned at the commencement) to my Arbitration.

4. Initially the time to make and publish my Award was fixed as six months from the signing of the said Agreement dated 18th November 1992 but the same now stands extended upto 31st October 1993.

5. Pursuant to the directions given by me in the matter, the Second Party (Union) has filed its Statement of Claim on 11th June 1993, the First Party (Management of O.N.G.C.) has filed its Written Statement/Reply on 2nd August 1993 and the Second Party (Union) has filed its Rejoinder on 22nd September 1993. A general notice under Rule 13 of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, to all such workmen who are not parties to the Arbitration Agreement but are concerned with the dispute calling upon them to file their Statement of Claim and appear at the hearing was affixed and displayed on the Notice Board of the First Party's Office on 11-9-1993, but none appeared or filled any Statement of Claim before me.

6. At the hearing fixed on 1st October 1993, the parties did not desire to lead any oral evidence but made their submissions on the basis of their rival pleadings and the documents produced by them, in particular the Memorandum of Settlement dated 14th July 1989. On behalf of the Union a couple of decisions reported in (1962) 1 L.L.J. 464 and (1990) 4 S.L.R 41 were relied upon, while on behalf of the Management of O.N.G.C. reference was made to the earlier Memorandum of Settlement dated 18th November 1983 between the parties.

7. By its Statement of Claim the Second Party (Union) has sought to establish the workmen's entitlement to arrears of Overtime Allowance for the concerned period (1-4-1987 to 13-7-1989 both days inclusive) on three-fold basis. Principally, the claim to arrears of Overtime Allowance is based on Clause 16.2 of the Memorandum of Settlement dated 14-7-1989, inasmuch as according to the Union the expression or term 'Pay' used therein includes Overtime Allowance as its component. Alternatively it is urged that overtime payment is a matter of statutory right of the workmen under statutes like the Factories Act, 1948, the Mines Act, 1954, Shops and Establishments Acts of various States etc. In the further alternative it is contended that the claim to arrears of Overtime Allowance is proper, just and fair for maintaining cordial relationship between the parties and in the interest of industrial peace, especially as Overtime Allowance from 14-7-1989 onwards is being paid by the Management to the workmen under the Settlement dated 14-7-1989. Lastly it is urged that reliance on Clause 16.4 of the Settlement by the Management for denying the benefit of arrears of Overtime Allowance to the workmen is of no avail because statutory right to overtime cannot be waived or relinquished and in that behalf reliance is placed on Section 23 of the Payment of Wages Act, 1936. Mr. Prakash Devdas made elaborate submissions in support of the aforesaid contentions.

8. On the other hand, by its Written Statement/Reply the First Party (Management of O.N.G.C.) has contended that on a proper reading of Clauses 16.2 and 16.4 together it is clear that no arrears on account of Overtime Allowance are payable to the workmen retrospectively for the period from 1-4-1987 to 13-7-1989. The submission is that by incorporating these two clauses, which are to be read together, the parties have expressly provided for items for which arrears are to be paid and these items do not include Overtime Allowance. It is pointed out that the provisions of various laws were well known to both the parties before reaching the Settlement and spirit of give and take has formed the corner stone of this as well as earlier Settlements between the parties and the question of payment of arrears of Overtime Allowance due to revision of pay was never raised in the past as well as on the occasion of this Settlement, as it was understood by all concerned that the same is not payable. Reliance in this behalf has been placed on the earlier Settlement dated 18-11-1983. The alternative basis justifying the claim for arrears of Overtime Allowance (overtime payment being a matter of statutory right and same being proper, just and fair) put forward by the Union are denied on merits, besides being styled as irrelevant to and falling outside the scope of the specific dispute referred to me and it is urged that the claim can be considered only on the basis of the relevant clauses of the Settlement dated 14-7-1989. It is further contended that under Clause 16.1 payment of arrears arising out of this Settlement wherever payable was to be made within 45 days from the signing of the Settlement i.e. by 27-8-1989 and no dispute was raised by the Union within the aforesaid period and as such the claim now raised in the present Reference is a stale claim and such belated demand should be rejected. Mr. Ramrakhiani made elaborate submissions on the aforesaid lines.

9. I have carefully gone through the rival pleadings of the parties and the documents on record and have heard Counsel for both sides at great length. At the outset, I would like to observe that having regard to the language in which the specific matter in dispute referred to me is couched, it is clear that I have merely to decide about the workmen's entitlement to arrears of Overtime Allowance and that too in view of the Settlement dated 14-7-1989. Therefore, the alternative bases (overtime being a matter of statutory right and the claim to arrears thereof being proper, just and fair) on which the Union is seeking to justify workmen's claim to arrears of Overtime Allowance are outside the scope of this Reference. Equally, the Management's contention that the claim now raised is a stale one in view of Clause 16.1 of the Settlement and as such ought not to be allowed bears on remedy and not the right and is, therefore, beyond the scope of this Reference, for I am not called upon to allow overtime on ascertaining the quantum. The specific dispute referred to me is to determine the right or entitlement of the workmen to arrears of Overtime Allowance and nothing else.

10. In order to determine the entitlement of the workmen to arrears of Overtime Allowance under the Settlement, it

is necessary to set out the material provisions of Clause 16 of the Settlement which deal with 'payment/recovery' of arrear's Clauses 16.2 and 16.4 are the material provisions. on the proper interpretation of which the resolution of the dispute depends. These Clauses run as follows :—

"16.2 Arrears of pay and allowances arising as a result of this Settlement shall be payable/recoverable in respect of the following, unless, otherwise specified in the Settlement :

Pay, Interim Relief, House Rent Allowance, Hard Duty Allowance, Performance and Productivity Allowance, City Compansatory Allowance, Composite Hill Compensatory Allowance, Remote Locality Allowance, City Compensatory Allowance, Compo-Cash Handling Allowance, Gratuity, Provident Fund, Bonus."

"16.4 No other arrears shall arise as a result of this Settlement, save what is mentioned above."

The submission of the Management is that by incorporating these two Clauses, which are to be read together, the parties have expressly provided for items for which arrears are to be paid and these items enumerated in Clause 16.2 do not include Overtime Allowance and what is more, in Clause 16.4 it is expressly stated that no other arrears shall arise as a result of this Settlement, save what is mentioned above. Therefore, according to the Management, no arrears on account of Overtime Allowance are payable to the workmen for the period from 1-4-1987 to 13-7-1989. Unfortunately, this submission of the Management fails to take into account the real or true nature of overtime payment. In my view, it is a misnomer to call overtime payment as Overtime Allowance; essentially, overtime payment is not any allowance but payment of salary or wages for work done during extra hours or during hours beyond the scheduled hours of work. That being the real nature of overtime payment, the same is clearly included in the expression of term 'Pay' occurring in Clause 16.2 of the Settlement. In other words, overtime payment can be said to have been expressly mentioned in Clause 16.2 as being a component of pay. Mr. Ramrakhiani on behalf of the Management suggested that the expression or term 'Pay' in Clause 16.2 is used in the sense of basic pay. I am not impressed by this suggestion. There is nothing in Clause 16.2 to indicate that the expression 'Pay' has been used in such limited or qualified sense. In my view, the expression has been used in its generic sense viz. recompense or quid pro quo for work done. On true interpretation of Clause 16.2, the expression or term 'Pay' includes overtime and, therefore, the workmen's entitlement to arrears of overtime is to be found in Clause 16.2 itself of the Settlement and Clause 16.4 cannot have the effect of detracting from what has been granted to the workmen under Clause 16.2. The query raised in the specific dispute must be answered in the affirmative.

11. In the result on true interpretation of the material provisions of the Settlement dated 14-7-1989, I make my Award as follows :

AWARD

In view of the terms of Settlement dated 14th July, 1989, the workmen are entitled to receive arrears of overtime for the period from 1st April, 1987 to 13th July, 1989.

No order as to costs.

Bombay, dated 21st October, 1993.

V. D. TULZAPURKAR, Arbitrator

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

का.आ. 366 :—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ़) के उपखण्ड (6) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1600 दिनांक 2 जुलाई, 1993 द्वारा करेन्सी नोट प्रेस, नासिक रोड को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 14 जुलाई 1993 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है,

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ़) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 14 जनवरी, 1994 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं. एस-11017/3/91-आई.आर. (पालिसी विधायी)]

एस.एस. पराशर, अवर सचिव

New Delhi, the 12th January, 1994

S.O. 366.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India, in the Ministry of Labour S.O. No. 1600 dated the 2nd July, 1993, the Currency Note Press Nasik Road to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 14th July, 1993;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 14th January, 1994.

[No. S-11017/3/91-I.R.(PL)]

S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1993

का.आ. 367 :—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार श्री रणवीर सिंह, अवर सचिव को दिनांक 15-12-93 से अगला आदेश जारी होने तक उत्प्रवास सेरक्षी -1 बम्बई के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या ए-22012/1/92-उत्प्रवास]

वी.डी. नागर, अवर सचिव

New Delhi, the 13th January, 1994

S.O. 367.—In exercise of the powers conferred by Section 3 Sub-section (1) of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri Ranbir Singh, Under Secretary as Protector of Emigrants-I, Bombay with effect from 15th December, 1993 till further orders.

[No. A-22012/1/92-Emig.]

V. D. NAGAR, Under Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Maya Puri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1994